



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 843 ]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 27, 2000/पौष 6, 1922

No. 843]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 27, 2000/PAUSA 6, 1922

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 2000

का. आ. 1162(अ).—करतब दिखाने वाले पशु (रजिस्ट्रीकरण) नियम, 2000 के नाम से कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार, पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) की धारा 38 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उस धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिसको उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, 60 दिन की अवधि के अवसान पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली को भेजे जा सकते हैं।

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान से पूर्व उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होते हैं केन्द्रीय सरकार, विचार करेगी।

प्रारूप

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम करतब दिखाने वाले पशु (रजिस्ट्रीकरण) नियम, 2000 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा :— इन नियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(1) “अधिनियम” से पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 अभिप्रेत है;

(2) “बोर्ड” से अधिनियम की धारा 4 के अधीन स्थापित भारतीय पशु कल्याण बोर्ड अभिप्रेत है और जो समय-समय पर धारा 5क के अधीन पुनर्गठित किया जाए;

(3) “फिल्म” से चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) में परिभाषित कोई फिल्म अभिप्रेत है;

(4) “आरोग्य प्रमाणपत्र” से पशु के स्वास्थ्य और आरोग्यता को प्रमाणित करने वाले त्रिहित प्राधिकार द्वारा नाम निर्दिष्ट किए जाने वाले किसी पशु चिकित्सक द्वारा अनुदत्त कोई प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;

- (5) "स्वामी" से पशु का स्वामी अभिप्रेत है और जिसमें कोई अन्य व्यक्ति सम्मिलित है जिसके कब्जे या अभिरक्षा में ऐसा पशु है चाहे वह स्वामी की सहमति से हो या सहमति के बिना हो;
- (6) "स्वामित्व प्रमाणपत्र" से वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) की धारा 42 के अधीन अनुदत्त कोई प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;
- (7) "विहित प्राधिकारी" से बोर्ड या ऐसा अन्य प्राधिकारी या अधिकारी अभिप्रेत है जिसे बोर्ड द्वारा प्राधिकृत किया जाए;
- (8) "करतब दिखाने वाले पशु" से ऐसा पशु अभिप्रेत है जिसका किसी मनोरंजन में या उसके प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाता है जिसके अंतर्गत कोई फिल्म या धोड़ों का कार्यक्रम सम्मिलित है जिसमें जनता आती है;
- (9) "अनुसूची" से इन नियमों से उपाबद्ध कोई अनुसूची अभिप्रेत है;
- (10) "पशु चिकित्सक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो किसी मान्यताप्राप्त पशु चिकित्सा महाविद्यालय और भारतीय पशु चिकित्सा परिषद में रजिस्ट्रीकृत कोई डिग्री धारण करता है।

3. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन :—(1) किसी करतब दिखाने वाले पशु के प्रशिक्षण या प्रदर्शन का इच्छुक प्रत्येक व्यक्ति इन नियमों के आरंभ से 30 दिन के भीतर विहित प्राधिकारी को रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करेगा और इन नियमों के उपबंधों के अधीन रजिस्ट्रीकरण किए बिना किसी पशु को किसी करतब दिखाने वाले पशु के रूप में प्रदर्शित या प्रशिक्षित नहीं करेगा।

- (2) किसी करतब दिखाने वाले पशु के प्रदर्शन या प्रशिक्षण के इच्छुक किसी व्यक्ति द्वारा प्रत्येक आवेदन अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए पहली अनुसूची में उपवर्णित आवेदन के प्ररूप में करेगा।
- (3) प्रत्येक ऐसा आवेदन विहित प्राधिकारी को किया जाएगा।
- (4) फीस और रजिस्ट्रीकरण :—रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ 500/- रुपये की फीस लगी होगी जो या तो नगद रूप में या ऐसी अन्य रीति में संदत्त की जाएगी जिसे इस प्रयोजन के लिए बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।
- (5) अतिरिक्त जानकारी मंगाने की शक्ति :—विहित प्राधिकारी आवेदक से उसके द्वारा दी गई विशिष्टियों की बाबत ऐसे अतिरिक्त अभिलेख और जानकारी मंगा सकेगा जो वह उपयुक्त समझे। यदि विहित प्राधिकारी का, करतब दिखाने और आवेदक द्वारा ऐसे पशुओं के रजिस्ट्रीकरण के लिए बनाई जाने वाली पद्धति की बाबत समाधान हो जाता है तो वह रजिस्ट्रीकरण मंजूर कर सकेगा। विहित प्राधिकारी, रजिस्ट्रीकरण मंजूर करते समय ऐसी अन्य शर्त अधिरोपित कर सकेगा जिसे वह ऐसे करतब दिखाने वाले पशुओं के प्रशिक्षण और देख-रेख के लिए समुचित समझे।
- (6) रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र का प्ररूप :—(1) रजिस्ट्रीकरण को मंजूर करने वाले विहित प्राधिकारी द्वारा जारी किए जाने वाला रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र दूसरी अनुसूची में उपवर्णित प्ररूप में होगा।  
(2) प्रत्येक रजिस्ट्रीकरण को उस क्रम में क्रम संख्या दी जाएगी जिसमें उसको रजिस्ट्रीकृत किया जाता है और आवेदक को जारी किए जाने वाले रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में क्रम संख्या अंतर्निहित की जाएगी।
- (7) फिल्मों में करतब दिखाने वाले पशुओं के प्रयोग के लिए पूर्व सूचना :— किसी फिल्म को बनाने में किसी करतब दिखाने वाले पशुओं को भाड़े पर देने या उधार देने का इच्छुक प्रत्येक आवेदक स्वामी, उस प्राधिकारी को इस प्रयोजन के लिए विहित प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट फारमेट में पूर्व सूचना देगा जिसमें पशु की किस्म, पशु की आयु और पशु का शारीरिक स्वास्थ्य, पशु द्वारा किए जाने वाले करतब की प्रकृति, ऐसे करतब दिखाने के लिए उपयोग किए जाने वाले पशु के लिए अवधि, ऐसे करतब दिखाने के लिए पशु के प्रशिक्षण की अवधि और पद्धति तथा फिल्म में ऐसे पशुओं के उपयोग का औचित्य और ऐसी अन्य जानकारी जो विहित प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित हो और प्रत्येक ऐसे आवेदन के साथ विहित प्राधिकारी द्वारा नामनिर्देशित किसी पशु चिकित्सक द्वारा जारी किया गया एक आरोग्य प्रमाणपत्र लगा होगा। जिसमें वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) के अंतर्गत आने वाले पशुओं की दशा में स्वामित्व प्रमाणपत्र के साथ पशुओं के स्वास्थ्य और आरोग्यता का प्रमाण पत्र होगा।

(8) रजिस्ट्रीकरण की साधारण शर्तें :—

- (1) विहित प्राधिकारी रजिस्ट्रीकरण मंजूर करते समय ऐसे निबंधन और शर्तें अधिरोपित कर सकेगा जिसे वह उपयुक्त समझे और रजिस्ट्रीकरण मंजूर करते समय निम्नलिखित शर्तें अधिरोपित करेगा, अर्थात् :—
  - (i) प्रत्येक आवेदक स्वामी के पास, जिसके पास ऐसे करतब दिखाने वाले 10 या 10 से अधिक पशु हैं उनकी देखभाल, उपचार और परिवहन के लिए एक नियमित कर्मचारी के रूप में एक पशु चिकित्सक होगा।
  - (ii) आवेदक स्वामी ऐसे पशुओं को लगातार 8 घंटे से अधिक समय तक सड़क मार्ग से पांचवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट माप के पिंजरों के सिवाय परिवहन नहीं करेगा।
  - (iii) आवेदक स्वामी ऐसे परिवहन के दौरान समुचित रूप से पानी पिलाने और चारा खिलाने को सुनिश्चित करेगा।

- (iv) आवेदक स्वामी परिवहन के पश्चात् छठी अनुसूची में विनिर्दिष्ट पशुओं की वाहत चारा खिलाने और आराम करने के लिए आहातों की व्यवस्था करेगा।
- (v) आवेदक स्वामी यह सुनिश्चित करेगा कि किसी पशु को प्रशिक्षण या प्रदर्शन के पूर्व या उसके दौरान अथवा उसके पश्चात् अनावश्यक पीड़ा या यातना न हो।
- (vi) आवेदक स्वामी उक्त पशु को प्रशिक्षित करने या कोई करतब दिखाने के लिए दबाव डालते हुए चारा खिलाने या पानी पिलाने से वंचित नहीं रखेगा।
- (vii) आवेदक स्वामी किसी पशु को करतब दिखाने समय इस प्रकार कार्य करवाएगा जो उसकी मूल प्राकृतिक इच्छा के अनुसार हो।
- (viii) आवेदक स्वामी किसी करतब दिखाने वाले पशु से कार्य नहीं करवाएगा यदि वह रुग्ण या घायल अथवा गर्भवती हो ;
- (ix) आवेदक स्वामी यह सुनिश्चित करेगा कि किसी करतब दिखाने वाले पशु के आस-पास जानबूझकर कोई अचानक ऊँची आवाज में शोर न किया जाए या किसी पशु को आग के निकट न लाया जाए जिससे कि पशु डर जाए ;
- (x) आवेदक स्वामी, उस दशा में जब किसी पशु को कृत्रिम प्रकाश के नीचे प्रदर्शित किया जाता है तो ऐसे प्रकाश की समग्र तीव्रता 500 ल्यूमेक्स से अधिक नहीं होगी ;
- (xi) आवेदक स्वामी किसी पशु से ऐसा कार्य नहीं करवाएगा जिससे या तो पशु की मृत्यु हो जाए या वह घायल हो जाए या ऐसे दृश्य में पशु का उपयोग करवाए जिसमें पशु घायल हो जाए ;
- (xii) आवेदक स्वामी, ऐसे पशुओं के लिए व्यवधान युक्त या तार अथवा गड़दों का उपयोग नहीं करेगा ;
- (xiii) आवेदक स्वामी, किसी पशु को या तो जलती हुई आग के सामने या आग संबंधी दुर्घटना के सामने नहीं ले जाएगा।
- (xiv) आवेदक स्वामी, किसी पशु को जिसके अंतर्गत घोड़े भी हैं, किसी दृश्य का फिल्मांकन करते समय जिसमें विस्फोटक या अन्य ऊँची आवाज सम्मिलित है के निकट नहीं ले जाएगा ;
- (xv) आवेदक स्वामी यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसे सामान, जैसे भालों, नुकीली कीलें, कटीले तारों या अन्य ऐसे सामान का उपयोग नहीं किया जाता है जिससे कि करतब दिखाने के दौरान पशु घायल न हो जाए ;
- (xvi) आवेदक स्वामी यह सुनिश्चित करेगा कि अश्वों को कठोर धरातल पर, नालों के बिना नहीं चलवाएगा और आगे यह सुनिश्चित करेगा कि पशुओं का पहाड़ी से नीचे के ढलान पर या फिसलते हुए ढलान पर स्किड और होकबुटों के बिना नहीं चलवाएगा ;
- (xvii) किसी अश्व का आवेदक स्वामी, किसी गद्दी दार चाबुक से भिन्न किसी अन्य चाबुक का उपयोग नहीं करेगा जिसको यह साबित करने के लिए वैज्ञानिक रूप से प्रशिक्षण किया गया है कि वह किसी घोड़े पर नील, खरोंच या अन्य नुकसान नहीं पहुंचाएगा। चाबुक पर खड़ी हुई किनारी, सिलाई, जोड़ या फलैप नहीं होगा। चाबुक का केवल अनुज्ञप्त घुड़सवार द्वारा ही उपयोग किया जाएगा ; आवेदक स्वामी यह भी सुनिश्चित करेगा कि चाबुक का या तो पुट्टे पर या माथे पर अथवा पिछले ओर या पुट्टों के नीचे पीछे के ओर से भिन्न उपयोग कहीं और स्थान पर नहीं किया जाता है अथवा चाबुक का कंधे की ऊँचाई से ऊपर उपयोग नहीं करेगा। चाबुक का एक दौड़ में तीन से अधिक बार उपयोग नहीं किया जाएगा।
- (xviii) आवेदक स्वामी, यह सुनिश्चित करेगा कि पशु का ऐसे फर्श पर उपयोग नहीं किया जाए जो फिसलन रहित फर्श के उपयोग के बिना बहुत चिकना हो
- (xix) आवेदक स्वामी, यह सुनिश्चित करेगा कि पशुओं को अधिक संख्या में घेर कर खड़ा नहीं किया जाएगा जिसके कारण पशुओं में भगदड़ मच जाए ;
- (xx) आवेदक स्वामी, यह सुनिश्चित करेगा कि पशु को अन्य पशुओं से नहीं लड़ाया जाता है या लड़ने के लिए उकसाया नहीं जाता है और आगे यह भी सुनिश्चित करेगा कि किसी पशु को किसी घायल या किसी रुग्ण पशु के उपचार के प्रयोजन के लिए किसी अर्हता प्राप्त पशु चिकित्सक द्वारा संवेदनाहरण के सिवाय कोई शामक औषधि या प्रशांतक या स्टेरोयड या कोई अन्य कृत्रिम वर्धक नहीं दिया जाता है या उसके शरीर में प्रवेश नहीं कराया जाता है ;

(xxi) आवेदक स्वामी, यह सुनिश्चित करेगा कि पशु का इस प्रकार परिवहन नहीं करवाया जाएगा या ऐसे पिंजरो में और आहातों में रखा या परिरुद्ध नहीं किया जाएगा, जो पशु परिवहन नियम, 1970, प्राणीउद्यान मान्यताप्राप्त नियम, 1992 या किसी अन्य अधिनियम, नियम या इस प्रयोजन के लिए आदेश के अधीन यथाविनिर्दिष्ट ऊंचाई, लम्बाई या चौड़ाई में पर्याप्त रूप से माप का न हो ;

(xxiii) आवेदक स्वामी, यह सुनिश्चित करेगा कि पशु का पर्याप्त आराम कराए बिना किसी फिल्म के फिल्मांकन में अधिक बार टेक के लिए लगातार उपयोग नहीं कराया जाएगा और किसी सांप के उपयोग किए जाने की दशा में, उसे कोई पदार्थ अंतर्ग्रहण नहीं कराया जाएगा या तारकोल वाली या किसी अन्य गर्म सतह पर नहीं चलाया जाएगा और कृत्रिम सतह पर नहीं दौड़ाया जाएगा;

(xxiv) आवेदक स्वामी, यह सुनिश्चित करेगा कि किसी फिल्म के फिल्मांकन में किसी पशु का उपयोग करते समय लड़ाई के दृश्य को पशुधन रखने वाले क्षेत्र में नहीं फिल्माया जाएगा जिसके अंतर्गत कुक्कुट पालन क्षेत्र भी है और आगे यह सुनिश्चित करेगा कि किसी पक्षी को पिंजरों में दर्शित नहीं किया जाता है ;

(xxv) आवेदक स्वामी, विहित प्राधिकारी को कम से कम चार सप्ताह पूर्व फिल्म के वास्तविक रूप से बनाए जाने के स्थान, तारीख और समय की सूचना देगा जहां पर पशु का उपयोग किया जाना है।

(2) विहित प्राधिकारी, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को मंजूर करने के लिए ऐसी अन्य शर्तों को भी अधिरोपित कर सकेगा जो वह पशुओं के कल्याण के संबंध में समुचित समझे।

9. रजिस्टर :—प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जिसको इन नियमों के अधीन कोई रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी किया जाता है, अपना नाम एक रजिस्टर में दर्ज कराएगा जिसे तीसरी अनुसूची में उपवर्णित प्ररूप में रखा जाएगा।

10. रजिस्टर का निरीक्षण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए रखा गया रजिस्टर, बीस रुपए की फीस के संदाय पर किसी कार्यकरण दिवस को कार्य घंटों के दौरान निरीक्षण के लिए खुला रहेगा और कोई व्यक्ति उससे उद्घरण ले सकेगा या वह पचास रुपए की फीस के संदाय पर उसमें की किसी प्रविष्टि की एक प्रमाणित प्रति उसे जारी करने के लिए विहित प्राधिकारी से अपेक्षा कर सकेगा।

11. रजिस्टर में प्रविष्टियों के फेरफार के लिए आवेदन :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए रखे गए रजिस्टर में प्रविष्टि किन्हीं विशिष्टियों में फेरफार के लिए प्रत्येक आवेदन चौथी अनुसूची में उपवर्णित प्ररूप में होगा और जब किन्हीं विशिष्टियों में फेरफार किया जाता है तो विद्यमान रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को रद्द कर दिया जाएगा और आवेदक को एक नया प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

12. पशु चिकित्सक द्वारा रिपोर्ट का पेश किया जाना :—प्रत्येक व्यक्ति जिसका इन नियमों के अधीन रजिस्ट्रीकरण किया गया है, यह सुनिश्चित करेगा कि करतब दिखाने वाले सभी पशुओं की एक मासिक रिपोर्ट विहित प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट प्ररूप में प्रत्येक आगामी मास की 7 तारीख को या उससे पूर्व विहित प्राधिकारी को पेश की जाएगी जिसमें उनका स्वास्थ्य, मृत्यु और जन्म की बाबत किसी पशु चिकित्सक द्वारा प्रमाणित प्रमाणपत्र होगा।

13. विनिर्दिष्ट करतब दिखाने वाले पशुओं के प्रदर्शन और प्रशिक्षण का प्रतिषेध :—करतब दिखाने वाले पशुओं को जिनके करतब को अधिनियम की धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन प्रतिषिद्ध किया गया है, किसी करतब दिखाने वाले पशु के रूप में प्रशिक्षित या प्रदर्शित नहीं किया जाएगा।

14. निरीक्षण करने की शक्ति :—विहित प्राधिकारी, पशुओं के परिवहन की पद्धति, देखभाल और उनके रखरखाव का निरीक्षण करने के लिए या करतब दिखाने वाले पशुओं के प्रशिक्षण या प्रदर्शन के समय उपस्थित रहने या किसी फिल्म को बनाने के दौरान किसी अधिकारी को तैनात कर सकेगा या किसी अन्य व्यक्ति को प्राधिकृत कर सकेगा जो यह सुनिश्चित करेगा कि इन नियमों के अधीन यदि कोई हो, रजिस्ट्रीकरण की शर्तों का अनुपालन किया जा रहा है। स्वामी ऐसे अधिकारी या प्राधिकृत व्यक्ति के प्रवेश में बाधा नहीं पहुंचाएगा और उसे संभव सहायता देगा जो उसे उसका कर्तव्यपालन में सहायक हो।

15. निरीक्षण की रिपोर्ट :—नियम 14 के अधीन तैनात किया गया अधिकारी या प्राधिकृत व्यक्ति, निरीक्षण के पश्चात् नियमों के अनुपालन और विहित प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुपालन की बाबत विहित प्राधिकारी को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

16. ऐसे रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण जिसकी बाबत रजिस्ट्रकरण मंजूर किया गया है :—

- (i) प्रत्येक पशु को, जिसकी बाबत नियम 5 के अधीन रजिस्ट्रीकरण किया गया है, रजिस्ट्रीकरण की शर्तों और इन नियमों के अधीन रहते हुए प्रदर्शित और प्रशिक्षित किया जाएगा।
- (ii) प्रत्येक पशु को, जिसकी बाबत नियम 5 के अधीन रजिस्ट्रीकरण मंजूर किया गया है, रजिस्ट्रीकरण की शर्तों और इन नियमों के अधीन रहते हुए किसी फिल्म के लिए प्रदर्शित किया जाएगा।

- (iii) विहित प्राधिकारी, नियम 5 के अधीन रजिस्ट्रीकरण की किसी शर्त या अधिनियम के किसी उपबंध अथवा तद्धीन बनाए गए नियमों के उल्लंघन की दशा में, जांच के लंबित रहने तक रजिस्ट्रीकरण को निलंबित कर सकेगा और सुनवाई का एक अवसर देने के पश्चात् इस प्रकार मंजूर किया गया रजिस्ट्रीकरण को प्रतिसंहत कर सकेगा या ऐसे आदेश या निदेश जारी कर सकेगा जो वह पशुओं के कल्याण के लिए उचित समझे।

17. **प्रमाणपत्र की दूसरी प्रतियां जारी करना** :—ऐसा व्यक्ति, जिसे इन नियमों के अधीन रजिस्ट्रीकरण मंजूर किया गया है, उसके द्वारा यह सबूत देने पर कि रजिस्ट्रीकरण का मूल प्रमाणपत्र गुम हो गया है या नष्ट हो गया है और सौ रुपये की फीस की संदाय करने पर इन नियमों के प्रयोजन के लिए रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र की एक दूसरी प्रति प्राप्त कर सकेगा और उसका वही प्रभाव होगा जो रजिस्ट्रीकरण के मूल प्रमाणपत्र का है।

[ फा. सं. 19/1/2000-ए डब्ल्यू डी ]

धर्मेन्द्र देव, संयुक्त सचिव

### पहली अनुसूची

### आवेदन का प्ररूप

### [ नियम 2 (iii) देखिए ]

मैं, करतब दिखाने वाले पशु (रजिस्ट्रीकरण) नियम, 2000 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करता हूँ और निम्नलिखित विशिष्टियां मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूरा होने की घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर —————

तारीख —————

पता जिस पर अनुमोदन  
आदेश भेजा जाना है

—————  
—————

### विशिष्टियां

- आवेदक का पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में)
- राज्य का नाम (यदि भारत में कोई उपयोग होता है)
- राष्ट्रिकता
- भारत में निवास के नियत स्थान का पता या (ख) भारत में डाक का पता जिस पर पत्र भेजे जा सकते हैं
- जब दौरे हो अम्थाई पते से भिन्न भारत में पता या पते (यदि कोई हो), जिस पर आवेदक करतब दिखाने वाले पशुओं का प्रशिक्षण करता है या प्रशिक्षण करना चाहता है (यदि कोई नहीं है तो "कोई नहीं" लिखें)
- यह कथन करें कि वह करतब दिखाने वाले पशु नियम, 1973 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है। यदि हाँ तो रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र की संख्यांक और तारीख
- स्वामित्व प्रमाण-पत्र की प्रति यदि पशु अन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अधीन एक संरक्षित जाति है
- (i) करतब दिखाने वाले प्रस्तावित पशु की विशिष्टियां  
जाति      लिंग      आयु      संख्यांक  
(क) प्रशिक्षित  
(ख) प्रदर्शित  
(ग) फिल्मों में उपयोग के लिए  
प्रशिक्षित और प्रदर्शित  
(ii) प्रशिक्षित करतब दिखाने वाले  
पशु जो प्रदर्शित किये जाने के  
लिए ऊपर विनिर्दिष्ट हैं।
- करतब या करतबों की प्रकृति का वर्णन जिनमें करतब दिखाने वाले पशुओं को प्रदर्शित किया जाना है जिनके लिए उन्हें प्रशिक्षित किया जाना है जिनमें उम्र, उपस्कर का नाम उल्लिखित करें, जिसका करतब के प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाता है या उपयोग किया जाना है।

**स्पष्टीकरण** : करतब में भाग लेने वाले पशुओं द्वारा कौन सा करतब किया जाना है, उसका विस्तृत वर्णन, प्रशिक्षण की पद्धति और करतब दिखाने की लगभग अवधि का कथन किया जाना चाहिए। एक ही दिन में दिखाए जाने वाले करतबों की संख्या और करतब में भाग लेने वाले प्रत्येक किस्म के पशुओं की संख्या।

प्रशिक्षक या प्रदर्शक का नाम	राष्ट्रिकता	या तो (क) भारत में निवास के निश्चित स्थान का पता या (ख) भारत में डाक का स्याई पता जिस पर प्रशिक्षक या प्रदर्शक को पत्र भेजे जा सकते हैं	पता या पते जिस पर करतब दिखाने वाले पशुओं को प्रशिक्षित किया जाना है	किसी पूर्ववर्ती रजिस्ट्रीकरण की विशिष्टियाँ	करतब दिखाने वाले प्रस्तावित पशु की किस्म	करतब की साधारण प्रकृति का वर्णन	रजिस्ट्रीकरण की तारीख	पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 के धारा 24 के अधीन न्यायालय के किसी आदेश की विशिष्टियाँ		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)



## चौथी अनुसूची

## रजिस्टर में प्रविष्टियों के फेरफार के लिए आवेदन का प्ररूप

(नियम 11 देखिए)

आवेदक के फेरफार की बाबत रजिस्टर में विशिष्टियों को प्रविष्ट कराने के लिए आवेदन

सेवा में,

विहित प्राधिकारी,

आवेदक का पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में)

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र की संख्यांक और तारीख :

मैं इसके द्वारा करतब दिखाने वाले पशु (रजिस्ट्रीकरण) नियम, 2000 के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र को लौटाता हूं और इसके द्वारा निम्न प्रकार से फेरफार किए जाने की बाबत रजिस्टर में विशिष्टियों को प्रविष्ट कराने के लिए आवेदन करता हूं और जिनके कारण नीचे दिए गए हैं :

मैं यह भी अनुरोध करता हूं कि मेरे विद्यमान प्रमाणपत्र को रद्द कर दिया जाए और एक नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र मुझे जारी कर दिया जाए।

हस्ताक्षर.....

पता.....

## पांचवी अनुसूची

## परिवहन के लिए सुझावात्मक आकार के पिंजरे

[नियम 8 (ii) देखिए]

जाति	लंबाई (मी.)	चौड़ाई (मी.)	ऊंचाई (मी.)
स्लेंडर लोरिस	0.40	0.25	0.35
स्लो लोरिस	0.60	0.25	0.45
घोड़ा (पालतू/जंगली)	3.00	1.00	1.75
गध्रा (पालतू/जंगली)	2.25	0.80	1.28
जेबरा	2.60	0.95	1.80
हाथी (व्यस्क)	4.80	2.40	2.84
दरियाई घोड़ा (साधारण)	4.06	2.10	1.50
पिग्मी हिप्पो	1.52	1.00	0.74
मिथेट	0.79	0.40	0.38
मैंगूज	0.56	0.25	0.13
बत्तख	0.38 से 0.63	22-0.35	0.78
पाखता	0.46	0.20	0.21



## छठी अनुसूची

बंधुआ पशुओं की महत्वपूर्ण स्तनधारी जातियों को चारा रखाने/सोने के घनाकारों/बाड़ों के लिए न्यूनतम विहित आकार  
[ नियम 8 (iv) देखिए ]

जाति का नाम	घनाकार/बाड़ों का आकार मीटरों में		
	लंबाई	चौड़ाई	ऊँचाई
<b>कुटुम्ब-फिलिडी</b>			
तेंदुआ	2.00	1.50	2.00
छोटी बिल्ली	1.80	1.50	1.50
<b>कुटुम्ब-एलिफेन्टिडी</b>			
हाथी	8.0	6.0	5.5
<b>कुटुम्ब-राइनोसिरोटिडी</b>			
एक सींग का भारतीय गैंडा	5.0	3.0	2.5
<b>कुटुम्ब-कारबिडी</b>			
पर्वत भू-शृंगार हिरण	3.0	2.0	2.5
हंगुल	3.0	2.0	2.5
अनुपी हिरण	3.0	2.0	2.5
कस्तूरी हिरण	2.5	1.5	2.0
मृगक हिरण	1.5	1.0	1.5
<b>कुटुम्ब-बोविडी</b>			
नीलगिरी टहर	2.5	1.5	2.0
चिकारा	2.5	1.5	2.0
चार सींग वाला बारहमिंगा	2.5	1.5	2.0
जंगली बुरियालो	3.0	1.5	2.0
भारतीय गोर	3.0	2.0	2.5
याक	4.0	2.0	2.5
भरल, गोराल, जंगली भेड़ और मारखोर	2.5	1.5	2.0
<b>कुटुम्ब-एक्विडी</b>			
घोड़ा	6.0	4.0	3.0
जंगली गधा	4.0	2.0	2.5
<b>कुटुम्ब-कैनिडी</b>			
गीदड़, भेड़िया और जंगली कुत्ता	2.0	1.5	1.5
<b>कुटुम्ब-विविरिडी</b>			
ताड़ मिखेट	2.0	1.0	1.0
विशाल भारतीय मिखेट और बिन्दुरोंग	2.0	1.5	1.0
<b>कुटुम्ब-मस्टीलिडी</b>			
सभी किस्म के ऊद यिलाख	2.5	1.5	1.0
चुहा/भालू/सूअर	2.5	1.5	1.0
मारटेन	2.0	1.5	1.0
<b>कुटुम्ब-प्रोसायोनिडी</b>			
लाल पांडा	3.0	1.5	1.0
<b>कुटुम्ब-लोरिसिडी</b>			
स्लो लोरिस और स्लेंडर लोरिस	1.0	1.0	1.5

## MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPLOYMENT

## NOTIFICATION

New Delhi, the 26th December, 2000

S.O. 1162(E).— The following draft of certain rules, namely the Performing Animals (Registration) Rules, 2000 which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by Section 38 of the Prevention of Cruelty to Animals Act of 1960 (59 of 1960), is hereby published as required by sub-section (1) of that section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of the period of sixty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, Shastri Bhawan, New Delhi.

The objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

## DRAFT

1. **Short title and commencement:-** (1) These Rules may be called the Performing Animals (Registration) Rules, 2000.  
  
(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. **Definition:-** In these rules unless the context otherwise requires-
  1. "Act" means the Prevention of Cruelty to Animals Act of 1960;
  2. "Board" means the Animal Welfare Board of India, established under section 4 and as reconstituted from time to time under section 5A of the Act;
  3. "film" means a Cinematograph film as defined in the Cinematograph Act of 1952 (37 of 1952)

4. "Fitness Certificate" means a certificate granted by a veterinary doctor to be nominated by the prescribed authority certifying the health and fitness of the animal;
  5. "owner" means the owner of an animal and includes any other person in possession or custody of such animal whether with or without the consent of the owner;
  6. "Ownership Certificate" means a Certificate granted under section 42 of the Wildlife (Protection) Act of 1972 (53 of 1972)
  7. "prescribed authority" means the Board or such other authority or officer as may be authorised by the Board;
  8. "performing animal" means an animal which is used at or for the purpose of any entertainment including a film or an equine event to which the public are admitted;
  9. "Schedule" means a schedule appended to these rules;
  10. "veterinary doctor" means a person who holds a degree of a recognised veterinary college and is registered with the Indian Veterinary Council.
3. **Application for registration:**—(1) Every person desirous of training or exhibiting a performing animal shall within thirty days from the commencement of these rules shall apply for registration to the prescribed authority and shall not exhibit or train any animal as a performing animal without being registered under the provision of these rules
- (2) Every application by a person desirous of exhibiting or training any performing animal shall apply for registration under the Act in the Form of Application set out in the **First schedule**.
- (3) Every such application shall be made to the prescribed authority.
4. **Fee and Registration** - Every application for registration shall be accompanied by a fee of Rs. 500/- which may be paid either in cash or in such other manner as may be specified by the Board for this purpose.
5. **Power to call for additional information-** The prescribed authority may call for such additional records and information as it may deem fit from the applicant in respect of the particulars furnished by it. If the prescribed authority is satisfied about the proposed performance and the method to be adopted for the training of such animals by the applicant it may grant registration. The prescribed authority while granting registration may impose such other condition, as it may deem appropriate for the training and upkeep of such performing animals.

6. **Form of Certificate of Registration:-** (1) The certificate of registration to be issued by the prescribed authority of the grant of registration shall be in the form set out in the **Second Schedule**.
- (2) Every registration shall be given a serial number according to the order in which it is made, and the serial number shall be inserted in the certificate of registration issued to the applicant.
7. **Prior information for use of performing animals in Films-** Every applicant owner desirous of hiring out or lending a performing animal in a making of a film shall give prior information in the format specified by the prescribed authority for this purpose to that authority specifying the kind of animal, age of animal, physical health of the animal, the nature of performance to be done by the animal, the duration for which the animal would be used for such performance, the duration and method of training of the animal for such performance and the justification for the use of such animals in the film and such other information as may be required by the prescribed authority and every such application shall be accompanied by a fitness certificate issued by a veterinary officer to be nominated by the prescribed authority certifying the health and fitness of the animal along with a ownership certificate in case of animals covered under the Wildlife(Protection) Act of 1972 (53 of 1972).
8. **General Conditions for Registration:**
- (1) The prescribed authority while granting registration may impose such terms and conditions as it deems appropriate and shall impose the following conditions in granting registration namely:-
- every applicant owner who has ten or more such performing animal shall have an veterinarian as a regular employee for their care, treatment and transport;
  - the applicant owner shall not transport such animals by road continuously for more than 8 hours and except in cages admeasuring as specified in the **Fifth Schedule**;
  - the applicant owner shall ensure proper watering and feeding halts during such transportation;
  - the applicant owner after transportation shall provide feeding and retiring enclosures in respect of the animals specified in the **Sixth Schedule**;
  - the applicant owner shall ensure that any animal is not inflicted unnecessary pain or suffering before or during or after its training or exhibition;
  - the applicant owner shall not deprive the animal of feed or water in order to compel the said animal to train or perform any trick;
  - the applicant owner shall train an animal as a performing animal to perform an act in accordance with its basic natural instinct;

- viii. the applicant owner shall not make a performing animal perform if it is sick or injured or pregnant;
- ix. the applicant owner shall ensure that no sudden loud noise is deliberately created within the vicinity of any performing animal or bring an animal close to fire, which may frighten the animal;
- x. the applicant owner in case the performing animal is to be exhibited under artificial light, the overall intensity of such light shall not be more than 500 LUX;
- xi. the applicant owner shall not subject the animals to any action which may either kill or injure or use the animal in scenes which may cause injury to the animals;
- xii. the applicant owner shall not use any tripping device or wires or pitfalls for such animals;
- xiii. the applicant owner shall not expose any animal to either burning fire or to fire accidents;
- xiv. the applicant owner shall not keep any animal including horses in close proximity while shooting scenes involving explosives or other loud noises;
- xv. the applicant owner shall ensure that props such as spears, nails splinters, barbed wires or other such props shall not cause injury to the animals during the performance
- xvi. the applicant owner shall ensure that the equines are not made to walk on hard surfaces without being shod and shall further ensure that the animals shall not be used in downhill slides or rodeo slide stops without proper skid and hock boots;
- xvii. *the applicant owner of any equine shall not use any whip other than an air cushioned shock absorbing whip which has been scientifically tested to prove that it will not cause weals, bruising or other damage to the horse. The whip shall not have raised binding, stitching, seam or flap. The whip will be used by licensed jockeys only. The applicant owner shall also ensure that the whip is not used other than either on the quarters in either the forehand or the backhand position or down the shoulder in the backhand position only or use the whip with the arm above shoulder height. The whip will not be used more than 3 times in a race.*
- xviii. the applicant owner shall ensure that the animal shall not be used on floors that are very smooth without the use of non-skidding mats.
- xix. the applicant owner shall ensure that large gathering of animals may not be allowed in such a way which may cause or result in stampede to the animals;
- xx. the applicant owner shall ensure that the animal is not made or incited to fight against other animals and shall further ensure that sedatives or tranquillisers or steroids or any other artificial enhancers are not administered to or inserted in any animals except the anaesthesia by a qualified veterinarian for the purpose of treatment of an injured or sick animal,
- xxi. the applicant owner shall ensure that the animal shall not be transported or be kept or confined in cages and receptacles which do not measure sufficiently in height, length or breadth as specified under the Transport of Animal Rules, 1970, the Recognition of Zoo Rules 1992 or under any other Act, rule or order for this purpose,

- xxiii. the applicant owner shall ensure that the animal shall not be continuously used for excessive number of takes in shooting a film without providing adequate rest to the animal and in the event of a snake being used it shall not be made to ingest any substances or made to crawl across tarred or any other heated surface and shall not be contorted to wrestle;
  - xxiv. the applicant owner shall ensure that while using an animal in shooting a film, the fight sequence shall not be shot in any livestock holding area including poultry area and shall further ensure that no birds are shown in cages;
  - xxv. the applicant owner shall inform the prescribed authority at least 4 weeks in advance informing the place, date and time of the actual making of the film wherein the animal is to be used.
- (2) The prescribed authority may also impose such other conditions for the grant of registration certificate as may be deemed appropriate to it for the welfare of animals.
9. **Register-** Every person to whom a certificate of registration is issued under these rules shall have his name entered in a register which shall be kept in the form set out in the **Third Schedule**.
10. **Inspection of register-** The register kept for the purpose of these rules shall be open to inspection during office hours on any working day on payment of a fee of twenty rupees and any person may take extract therefrom or may require the prescribed authority to issue to him a certified copy of any entry therein on payment of a fee of fifty rupees.
11. **Application for variation of entries in register -** Every application for the variation of any particulars entered in the register maintained for the purpose of these rules shall be in the form set out in the **Fourth Schedule** and when any particulars are varied the existing certificate of registration shall be cancelled and a new certificate issued to the applicant.
12. **Submission of report by veterinary doctor-** Every person who has been granted registration under these rules shall ensure that a monthly report of all the performing animals in the form to be specified by the prescribed authority in respect of their health, deaths and births duly certified by a veterinary doctor is submitted to the prescribed authority on or before the 7<sup>th</sup> of every succeeding month.
13. **Prohibition on exhibition and training of specified performing animals-** Performing animals whose performance has been prohibited under sub section 2 of section 22 of the Act shall not be trained or exhibited as a performing animal.
14. **Power to inspect-** The prescribed authority may depute an officer or authorise any other person to inspect the mode of transport, care and upkeep of the animals or to be present at the time of training or exhibition of the performing animals or during making of a film to ensure that the conditions of registration under these rules if any, are being complied with. The owner shall not obstruct the entry of such officer or authorised person and extend all possible assistance to enable him to discharge his duty.

15. **Report of inspection**-The officer deputed or person authorised under rule 14 shall after inspection submit a report to the prescribed authority about the compliance of the rules and the condition as specified by the prescribed authority.
16. **Cancellation of registration in respect of which registration has been granted:-**
- (i) Every animal in respect of which registration has been granted under rule 5 shall be exhibited and trained subject to the conditions of registration and these rules.
  - (ii) Every animal in respect of which registration has been granted under rule 5 shall be exhibited for a film subject to the conditions of registration and these rules.
  - (iii) The prescribed authority in the event of breach of any conditions of registration under rule 5 or any provision of the Act or the rules made thereunder may suspend the registration pending enquiry and after granting an opportunity of hearing revoke the registration so granted or issue such orders or directions as it may consider proper for the welfare of the animals.
17. **Issue of duplicate copies of certificate-** Any person who has been granted registration under these rules may, on proof by him that the original certificate of registration has been lost or destroyed and on payment of a fee of one hundred rupees, be given a duplicate copy of the certificate of registration which for the purposes of these rules shall have the same effect as the original certificate of registration.

[F. No 19/1/2000-AWD]

DHARMENDRA DEO, Jt. Secy

**FIRST SCHEDULE**  
**Form of Application**  
**(SEE RULE 2 (iii))**

I, the undersigned, do hereby **apply** for registration under the Performing Animals (Registration) Rules, 2000 and do hereby declare the following particulars to be true and complete to the best of my knowledge and belief.

Signature \_\_\_\_\_  
 Date \_\_\_\_\_

Address to which order of  
 approval is to be sent.

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

**PARTICULARS**

1. Full Name of applicant (in block letters)
2. State name (if any used in India)
3. Nationality
4. Either (a) address of fixed place of residence in India, and (b) the postal address in India to which letters may be forwarded.
5. Address or addresses (if any) in India, other than temporary addresses while on tour, at which applicant trains or intends to train performing animals. (If none, write "None")
6. State whether registered under the Performing Animals Rules, 1973. If so, State the number and date of certificate of registration
7. Copy of ownership certificate if the animal is a protected specie under the Wildlife (Protection) Act, 1972.
8. (i) Particulars of performing animals proposed to be
 

	<u>Species</u>	<u>sex</u>	<u>age</u>	<u>number</u>
(a)	trained			
(b)	exhibited,			
(c)	trained and exhibited			
	for use in films			
- (ii) Trained performing animals already available as prescribed above for being exhibited.
9. Describe the nature of the performance or Performances in which the performing animals are to be exhibited or for which they are to be trained, mentioning any apparatus which is used or to be used for the purpose of the performance.

**Explanation:** Detailed description of what is to be done by the animals taking part in the performance, method of training and should state the approximate duration of the performance, the number of performances to be given in one and the same day, and the number of animals of each kind taking part in the performance.



**भारत का राजपत्र : अन्नाभारण**

---

17

17

17

17

17

## 17

[illegible]

[illegible]

**THIRD SCHEDULE**  
**Form of Register**  
**(SEE RULE 9)**

Particulars

Serial No.	Name of trainer of exhibitor	Nationality	Either (a) Address of fixed place of residence in India or (b) permanent postal address in India to which letters addressed to the trainer or exhibitor may be forwarded	Address or addresses at which the performing animals are to be trained	Particulars of any previous registration	Kind of proposed performing animal.			Description of general nature of performance	Date of Registration	Particulars of any order of Court made under section 24 of the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960
						To be <u>trained</u>	to be <u>exhibited</u>	to be trained/exhibited <u>for use in films</u>			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	Kind No.	Kind No.	Kind No.	(10)	(11)	(12)

**FOURTH SCHEDULE**

**Form of Application for Variation of Particulars  
Entered in Register  
(SEE RUE 11)**

Application to have the particulars entered in the register with respect to the applicant varied.

To

The prescribed authority,

Full Name of the applicant (in block letters)

Number and date of Certificate of Registration

I return herewith my certificate of registration under the Performing Animals (Registration) Rules, 2000 and I hereby apply to have the particulars entered in the Register with respect to be varied as follows' and the reasons given below:

I also request that my existing certificate may be cancelled and a new certificate of registration may be issued to me.

Signature \_\_\_\_\_  
Address \_\_\_\_\_

**FIFTH SCHEDULE**

**SUGGESTIVE SIZE OF CAGES FOR TRANSPORTATION  
(SEE RULE 8-ii)**

Species	Length (m)	Breadth (m)	Height (m)
Slender loris	0.40	0.25	0.35
Slow loris	0.60	0.25	0.45
Horse (domestic/ Wild)	3.00	1.00	1.75
Ass (domestic/ Wild)	2.25	.80	1.28
Zebra	2.60	.95	1.80
Elephant (Adult)	4.80	2.40	2.84
Hippopotamus (Common)	4.06	2.10	1.50
Pigmy Hippo	1.52	1.00	0.74
Civet	0.79	.40	0.38
Mongoose	0.56	.25	0.13
Duck	0.38 to 0.63	.22 – 0.35	.78
Dove	0.46	0.20	0.21

**SIXTH SCHEDULE**

**MINIMUM PRESCRIBED SIZE FOR FEEDING/RETIRING  
CUBICLE/ENCLOSURES FOR IMPORTANT MAMMALIAN  
SPECIES OF CAPTIVE ANIMALS  
(SEE RULE 8-iv)**

Name of the Species	Size of the cubicle/ enclosures in meters		
	Length	Breadth	Height
<b>Family - Felidae</b>			
Leopard	2.00	1.50	2.00
Small cats	1.80	1.50	1.50
<b>Family - Elephantidae</b>			
Elephant	8.0	6.0	5.5
<b>Family - Rhinocerotidae</b>			
One-horned Indian Rhinoceros	5.0	3.0	2.5
<b>Family - Carvidae</b>			
Brow antlered deer	3.0	2.0	2.5
Hangul	3.0	2.0	2.5
Swamp deer	3.0	2.0	2.5
Musk deer	2.5	1.5	2.0
Mouse deer	1.5	1.0	1.5
<b>Family - Bovidae</b>			
Nilgiri tahr	2.5	1.5	2.0
Chinkara	2.5	1.5	2.0
Four horned antelope	2.5	1.5	2.0
Wild Burialo	3.0	1.5	2.0
Indian Bison	3.0	2.0	2.5
Yak	4.0	2.0	2.5
Bharal, goral, wild sheep and markhor	2.5	1.5	2.0
<b>Family - Equidae</b>			
Horses	6.0	4.0	3.0
Wild Ass	4.0	2.0	2.5
<b>Family - Canidae</b>			
Jackal, wolf and wild dog	2.0	1.5	1.5
<b>Family - Viverridae</b>			
Palm Civet	2.0	1.0	1.0
Large Indian civet & binturong	2.0	1.5	1.0
<b>Family- Mustellidae</b>			
Otters all types	2.5	1.5	1.0
Rate/Hogbadger	2.5	1.5	1.0
Martens	2.0	1.5	1.0
<b>Family - Procyonidae</b>			
Red Panda	3.0	1.5	1.0
<b>Family - Lorisidae</b>			
Slow loris and slender loris	1.0	1.0	1.5

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 2000

**का.आ. 1163(अ).**—कतिपय नियमों अर्थात् पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (पशुओं का पैदल परिवहन) नियम, 2000 का प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) की धारा 38 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके इसमें प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उम तारीख से जिसको भारत के उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हों, सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली को भेजे जा सकते हैं।

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

## प्रारूप

**1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—**(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (पशुओं का पैदल परिवहन), नियम, 2000 है।

(2) ये राजपत्र में अधिसूचना में अन्तिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

**2. परिभाषाएं—**इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) "पशु" से पशुधन अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत निम्नलिखित पशु भी हैं, अर्थात् :—

- (i) ढोर के अन्तर्गत सांड, बैल, भैंसा सांड, भैंसे, गाय, भैंस, मिथुन, याक और बछड़े हैं;
- (ii) आश्व के अन्तर्गत घोड़े, टट्टू, खच्चर और गधे हैं;
- (iii) घोड़े के अन्तर्गत सम्पूर्ण (बीजाश्व), गोल्डिंग्स, बच्ची घोड़ियां, बछेड़े और बछेड़ियां हैं;
- (iv) बकरी के अन्तर्गत दो वर्ष और उससे अधिक आयु का वयस्क नर या मादा बकरी हैं;
- (v) रक के अन्तर्गत नर बकरी (बकरा) है;
- (vi) मुनमुन—एक वर्ष के कम आयु की अल्प वयस्क बकरी;
- (vii) नान्नी मादा बकरी;
- (viii) भेड़—वयस्क भेड़, दो वर्ष और उससे अधिक की आयु का नर या मादा भेड़;
- (ix) ईब—मादा भेड़;
- (x) मेमना—एक वर्ष से कम आयु की अल्प वयस्क भेड़;
- (xi) रैम—नर भेड़;
- (xii) खस्सी मैदा के अन्तर्गत वह मेमना भी है जिसे मैथुनिक परिपक्वता पर पहुंचने से पूर्व बधिया कर दिया गया है;
- (xiii) सूअर के अन्तर्गत एक वर्ष या उससे अधिक की आयु का वयस्क सूअर या सूअरी है;
- (xiv) घेंटा के अन्तर्गत एक वर्ष से कम आयु का अल्प वयस्क सूअर है;

(ख) "पशु-चिकित्सक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके पास मान्यताप्राप्त पशु-चिकित्सा महाविद्यालय की डिग्री है और भारतीय पशु-चिकित्सा परिषद् में रजिस्ट्रीकृत है;

(ग) "अनुसूची" से इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3. **नियमों का लागू होना**—ये नियम पशुओं के पैदल परिवहन को उस समय लागू होंगे जब ऐसे परिवहन के आरम्भ के गांव या शहर या नगर की सीमा से अन्तिम लक्ष्य की दूरी पांच किलोमीटर या पांच किलोमीटर से अधिक है।

4. **पैदल परिवहनित किए जाने वाले पशुओं के स्वास्थ्य की दशा**—(1) पैदल परिवहनित किए जाने वाला पशु स्वस्थ और ऐसे परिवहन के लिए ठीक हालत में होगा;

(2) परिवहनित किए जाने वाले प्रत्येक पशु की बाबत पशु चिकित्सक का इस आशय का प्रमाणपत्र उस पशु के साथ होगा कि ऐसा पशु ऐसे परिवहन के लिए सही हालत में है और किसी संक्रामक, सांसर्गिक या परजीवी रोग से पीड़ित नहीं है और उसे संक्रामक, सांसर्गिक या परजीवी रोगों का टीका लगा दिया गया है।

(3) उपनियम (1) के अधीन प्रमाणपत्र अनुसूची "क" में विनिर्दिष्ट प्ररूप में होगा।

5. **कतिपय पशुओं का पैदल परिवहन नहीं किया जाएगा**—ऐसे नवजात पशुओं का जिनकी नाभि पूरी तरह सूखी नहीं है, रोगी, अन्धे, कृश, लंगड़े, थके मांड़े पशुओं या ऐसे पशुओं का जिन्होंने पूर्ववर्ती बहतर घंटों के दौरान जन्म दिया है या परिवहन के दौरान जन्म देने की संभावना है, पैदल परिवहन नहीं किया जाएगा।

6. **ऑन फार्म सामाजिक समूह में परिवहन**—पशुओं को उनके ऑन फार्म सामाजिक समूहों में ही (यात्रा से कम से कम एक सप्ताह पूर्व स्थापित) परिवहन किया जाएगा।

7. **पैदल परिवहनित किए जाने वाले पशुओं के साथ प्राथमिक चिकित्सा उपस्कर ले जाना**—पशुओं का स्वामी ऐसे पशुओं के साथ जब उन्हें पैदल परिवहनित किया जा रहा हो, पशु चिकित्सा के प्राथमिक चिकित्सा उपस्कर उपलब्ध कराएगा।

8. **परिवहन के दौरान प्रमाणपत्र का ले जाया जाना**—उस दशा में जिसमें पशुओं का पैदल परिवहन करने वाला व्यक्ति उन पशुओं का स्वामी नहीं है, तब ऐसा व्यक्ति ऐसे परिवहन के दौरान अनुसूची "ख" में विनिर्दिष्ट प्रमाणपत्र ले जाएगा।

9. **पशुओं के परिवहन के दौरान पानी की व्यवस्था**—पशुओं का स्वामी ऐसे पशुओं के पैदल परिवहन के दौरान रास्ते में पानी पिलाने की व्यवस्था करेगा।

10. **पशुओं के परिवहन के दौरान भोजन और चारे की व्यवस्था**—पैदल परिवहन के दौरान पशुओं के लिए पर्याप्त भोजन और चारे की पर्याप्त आरक्षिति के साथ, पर्याप्त भोजन और चारे की व्यवस्था उनके स्वामियों द्वारा की जाएगी।

11. **पशुओं के पैदल परिवहन के दौरान चाबुक आदि के उपयोग का प्रतिषेध**

(1) कोई भी व्यक्ति पशुओं को चलने या उनकी चाल में तेजी लाने के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से किसी चाबुक या लाठी का उपयोग नहीं करेगा और न कोई व्यक्ति उनके पैदल परिवहन के दौरान इस प्रयोजन के लिए पशु के शरीर के किसी भाग में मिर्ची या किसी अन्य पदार्थ का उपयोग करेगा।

(2) यदि पैदल परिवहन के दौरान किसी पशु को बांधने की आवश्यकता हो तो वह ऐसी रस्सी से बांधा जाएगा जिस पर चारों तरफ से कपड़े जैसी उपयुक्त गद्दीदार वस्तु लिपटी हुई हो। ऐसे पशु को, उसकी गर्दन के सिवाय, उसकी नाक या सभी टांगों या शरीर के किसी अन्य भाग पर नहीं बांधा जाएगा।

(3) यदि एक से अधिक पशुओं को पैदल परिवहन के दौरान एक ही रस्सी से एक साथ बांधा जाए जो ऐसे किन्हीं दो पशुओं के बीच कम से कम दो फुट का अन्तर होगा। इस प्रकार बांधे गए ऐसे पशुओं की एक जैसी शारीरिक हालत और ताकत होनी चाहिए तथा ऐसे दो से अधिक पशुओं को एकल रस्सी द्वारा एक दूसरे के साथ नहीं बांधा जाएगा।

12. **पशुओं के पैदल ले जाए जाने पर कतिपय प्रतिषेध**—(1) कोई भी व्यक्ति किसी भी पशु को सूर्योदय से पूर्व या सूर्यास्त के पश्चात् परिवहनित नहीं करेगा।

(2) नीचे दी गई सारणी में ऐसे पशु के लिए विनिर्दिष्ट दूरी, समय, विश्राम अंतराल और तापमान के परे किसी पशु को पैदल परिवहनित नहीं किया जाएगा :

### सारणी

जाति (पशु)	तय की गई अधिकतम दूरी/दिन/घंटा	चले दिनों/घंटों की अधिकतम संख्या	विश्राम की अवधि (अंतराल)	तापमान की रेंज अधिकतम न्यूनतम
1	2	3	4	5
ढोर (गाय)	30 कि.मी. प्रति दिन 4 कि.मी. प्रति घंटा	8 घंटे	प्रत्येक 2 घंटे के बाद पानी पीने के लिए और प्रत्येक 4 घंटे के बाद भोजन के लिए	12 डिग्री सेंटीग्रेड से 30 डिग्री सेंटीग्रेड तक
भैंस	25 कि.मी. प्रति दिन 3 कि.मी. प्रति घंटा	8 घंटे	प्रत्येक 2 घंटे के बाद पानी पीने के लिए और प्रत्येक 4 घंटे के बाद भोजन के लिए	12 डिग्री सेंटीग्रेड से 30 डिग्री सेंटीग्रेड तक
गाय और भैंस के बछड़े	16 कि.मी. प्रति दिन 2.5 कि.मी. प्रति घंटा	6 घंटे	प्रत्येक डेढ़ घंटे के बाद पानी पीने के लिए और प्रत्येक 3 घंटे के बाद भोजन के लिए	15 डिग्री सेंटीग्रेड से 25 डिग्री सेंटीग्रेड तक
घोड़े, टट्टू, खच्चर, गधे	45 कि.मी. प्रति दिन 6 कि.मी. प्रति घंटा	8 घंटे	प्रत्येक 3 घंटे के बाद पानी पीने के लिए और प्रत्येक 6 घंटे के बाद भोजन के लिए	12 डिग्री सेंटीग्रेड से 30 डिग्री सेंटीग्रेड तक
अल्प व्यस्क (बछड़े)	25 कि.मी. प्रति दिन 4 कि.मी. प्रति घंटा	6 घंटे	प्रत्येक 2 घंटे के बाद पानी पीने के लिए और प्रत्येक 4 घंटे के बाद भोजन के लिए	15 डिग्री सेंटीग्रेड से 25 डिग्री सेंटीग्रेड तक
बकरियां और भेड़	30 कि.मी. प्रति दिन 4 कि.मी. प्रति घंटा	8 घंटे	प्रत्येक 2 घंटे के बाद पानी पीने के लिए और प्रत्येक 4 घंटे के बाद भोजन के लिए	12 डिग्री सेंटीग्रेड से 30 डिग्री सेंटीग्रेड तक
मुनमुन और मेमनें	16 कि.मी. प्रति दिन 2.5 कि.मी. प्रति घंटा	6 घंटे	प्रत्येक डेढ़ घंटे के बाद पानी पीने के लिए और प्रत्येक 3 घंटे के बाद भोजन के लिए	15 डिग्री सेंटीग्रेड से 25 डिग्री सेंटीग्रेड तक
मृगर	15 कि.मी. प्रति दिन 2 कि.मी. प्रति घंटा	8 घंटे	प्रत्येक डेढ़ घंटे के बाद पानी पीने के लिए और प्रत्येक 3 घंटे के बाद भोजन के लिए	12 डिग्री सेंटीग्रेड से 25 डिग्री सेंटीग्रेड तक
घंटे	10 कि.मी. प्रति दिन 1.5 कि.मी. प्रति घंटा	6 घंटे	प्रत्येक डेढ़ घंटे के बाद पानी पीने के लिए और प्रत्येक 3 घंटे के बाद भोजन के लिए	15 डिग्री सेंटीग्रेड से 25 डिग्री सेंटीग्रेड तक

टिप्पण : पानी पिलाने के बाद प्रत्येक पशु को उसका पैदल परिवहन आरम्भ करने से पहले 20 मिनट का विश्राम दिया जाएगा और चारा खिलाने के मामले में पैदल परिवहन आरम्भ करने से पहले 1 घंटे का विश्राम दिया जाएगा।

(3) किसी भी पशु को भारी बरसात, तूफान या भीषण मृखे या उमस की स्थिति में पैदल नहीं ले जाया जाएगा।

13. (1) उन पशुओं से जिनके खुरों में नाल लगा दी गई है, (भागवानी पशुओं या लददू पशुओं की दशा में) भिन्न पशु का कठोर सीमेंट, डामर लेपित या पक्की सड़कों, प्रणाती ढालों या पहाड़ी और चट्टानी भूभागों पर, चाहे मौसम की कोई भी दशा हो (गर्मी या सर्दी) पैदल परिवहन नहीं किया जाएगा।



(2) यदि सिपाही से ऊपर की पंक्ति के किसी पुलिस अधिकारी या केन्द्रीय या राज्य सरकार अथवा भारत के पशु कल्याण बोर्ड द्वारा, इस निमित्त साधारण या विशेष आदेश द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति के पास इस बारे में विश्वास करने का कारण है कि किसी पशु के संबंध में इन नियमों के उल्लंघन में कोई अपराध किया गया है या किया जा रहा है तो वह ऐसे पशु के स्वामी या भारसाधक किसी अन्य व्यक्ति से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह उस पशु को नज़दीकी मैजिस्ट्रेट के पास ले चले।

(3) यदि उपधारा (2) में निर्दिष्ट पशुओं का स्वामी या उनका भारसाधक व्यक्ति उस उपनियम के अधीन पुलिस अधिकारी की मांगों का पालन करने से इंकार करता है तो ऐसे पुलिस अधिकारी या ऐसे अन्य व्यक्तियों के लिए यह विधिपूर्ण होगा कि वे उस पशु को नज़दीकी मैजिस्ट्रेट के पास ले जाए।

[फा. सं. 19/1/2000-ए डब्ल्यू डी]

धर्मेन्द्र देव, संयुक्त सचिव

### अनुसूची 'क'

#### पशुओं के परिवहन के लिए योग्यता-प्रमाणपत्र का प्ररूप

[नियम 4(3) देखिए]

यह प्रमाणपत्र किसी अर्हताप्राप्त पशु-चिकित्सक द्वारा भरा जाना चाहिए और उस पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।

जांच की तारीख और समय

जाति

ट्रकों/रेल के डिब्बों की संख्या

दोरों की संख्या

लिंग

आयु

#### पहचान

नस्ल (उसके लक्षण बताते हुए)—वह क्षेत्र जहां वह पाया जाता है तथा साधारण प्रतिरोध शक्ति और ताप की सहनशक्ति से संबंधित उसकी स्थिति।

#### पशु के व्यष्टिक लक्षण—

शरीर का रंग

ऊंचाई

शरीर का वजन (लगभग)

पशु की लम्बाई

होठना (श्रोणिय हड्डियों के बीच नापा गया)

आंखों का रंग

सींगों की बनावट

साधारण दशा (जैसे मांसल, हड्डियों का प्रक्षेपण)

## स्वास्थ्य की स्थिति

पशु का इतिहास, भोजन की स्थिति क्या क्षुधा अभाव/अतिसार के चिन्ह हैं अथवा नहीं

1. शरीर का तापमान अभिलिखित करें
2. कोया के उभार या वहिसरण अन्धता, आंखों की पुतली की फुल्ली के लिए आंखों की परीक्षा करें और विनिर्दिष्ट करें।
3. चमड़ी की दशा,

(निर्जलीकरण, क्षतियों, क्षुधा अभाव के चिन्हों सहित चमड़ी पर मस्सों की मौजूदगी के लिए जांच करें)

### 4. कान

**कानों की परीक्षा करें—**(सुनने पर पशु के शरीर की प्रतिक्रिया के लिए जांच करें, किसी संक्रमण, सूजन या स्नायु के लिए जांच करें)

(क) कान के मैल, रक्त या किसी तरल की अधिकता की जांच करें)

5. सूजन के लिए उप जंमिका की अवधि की परीक्षा करें (किसी अग्रामान्यता या दर्द के लिए)

6. मादा पशुओं की गर्भ की स्थिति की जांच करें।

यदि हां-तो कौनसी स्टेज है—पहली, दूसरी या तीसरी।

7. धन और स्तनाग्रों की परीक्षा करें और विनिर्दिष्ट करें—

(क) पुट्टों का संबंधित आकार

(ख) सूजन (अपक्षय) तन्तुमय के चिन्हों की जांच करें

(ग) व्यष्टिक पुट्टों की स्पर्श परीक्षा की अवधि विनिर्दिष्ट करें

(घ) स्तनाग्रों के ट्यूमर या स्तनाग्रों में तन्तुओं के लिए उनकी नलिकाओं की जांच करें और विनिर्दिष्ट करें।

8. (क) यदि मादा हो तो

बल्ब की परीक्षा पर योनीय निस्सरण के चिन्ह के लिए जांच करें और विनिर्दिष्ट करें।

(ख) नर में, जांच करें—

अण्डकोश—आकार, मोनोगैस्ट्रिक पशुओं के लिए कोई संकेत/असामान्यताएं

लिंकिंग—क्षति, खरोंच या आवरण, स्खलन अभिलिखित किए जाएं

9. उदरीय पीड़ा के चिन्हों के लिए (पशु की चाल या मुद्रा की जांच करें, उदरीय फुलाव के चिन्ह के लिए जांच करें, आमाशय की परीक्षा के लिए (भरा हुआ, खाली) और अफरा/रक्त के लिए बाईं कोख की जांच करें।

### 10. पाचन तंत्र

मुख की परीक्षा करें और विनिर्दिष्ट करें—

1. दन्तोद्भेद का ब्यौरा

2. दंत क्षति के साक्ष्य, टूटे हुए या बिसे पिटे कृन्तकों के साक्ष्य को विनिर्दिष्ट करें।

### 11. श्वसन तंत्र

क. श्वसन की दर अभिलिखित करें

ख. श्रवण और कष्ट श्वास, श्वास लेने में तकलीफ के संकेतों को विनिर्दिष्ट करें।

12. गायों में उनके सींगों की जांच करें और विनिर्दिष्ट करें—

(क) सींगों की बनावट

- (ख) सींगों के बलियों की संख्या  
 (ग) उनकी दिशाओं में कोई अन्तर  
 (घ) दोनों सींगों की बनावट
13. अस्थिभंग के लिए बसलियों की परीक्षा करें और विनिर्दिष्ट करें।  
 14. वैन्दल या अमब्लीकल हर्निया की मौजूदगी के लिए उदर दीवारों की परीक्षा करें और विनिर्दिष्ट करें।  
 15. हड्डियों के बढनें या म्मोबायल डिस्टैन्सन्स के लिए अंगों और जोड़ों की परीक्षा करें तथा लंगडेंपन के चिन्हों की जांच करें और विनिर्दिष्ट करें।  
 16. किसी चोट के लिए इंटर डिजिटल स्थान की जांच करें और उसे विनिर्दिष्ट करें।  
 17. पैरों के ज़ख्म, तलवों के अत्यधिक घिसाव या सुमशोध्य के कोई संकेत हैं।  
 18. रक्त-बह-तंत्र की जांच करें—  
     1. नाड़ी म्यन्दन दर को विनिर्दिष्ट करें  
     2. शौक आधारित अंग या जलोदर की मौजूदगी के लिए जांच करें और उसको विनिर्दिष्ट करें।  
 19. —————से—————तक परिवहन किया गया।  
     मैं एतद्वारा यह प्रमाणित करता हूँ कि मैंने पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (पशुओं का पैदल परिवहन) नियम, 2000 पढ़ लिए हैं।  
 1. कि —————(प्रेषक) के अनुरोध पर मैंने माल यान/रेल के डिब्बों में ऊपर वर्णित पशु की उनके गमन से बारह घंटे से अनधिक पूर्व जांच की है।  
 2. कि प्रत्येक पशु रेल/सड़क से यात्रा करने के लिए ठीक हालत में प्रतीत होता है और उसमें संक्रामक या सांसर्गिक या परजीवी रोग के कोई लक्षण दर्शित नहीं हो रहे हैं और उसको पशु प्लेग और किसी अन्य संक्रामक या सांसर्गिक या परजीवी रोगों के टीके लगा दिए गए हैं।  
 3. कि पशु को यात्रा के प्रयोजन के लिए पर्याप्त रूप से भोजन करा दिया है और पानी पिला दिया है।  
 4. पशु को टीका लगा दिया गया है

(क) टीके की किस्म

(ख) टीका लगाने की तारीख

हस्ताक्षर —————

पता —————

अहंता —————

तारीख —————

## अनुसूची 'ख'

## प्राधिकरण प्रमाणपत्र

(नियम 8 देखिए)

1. स्वामी का नाम और आयु
2. पिता का नाम
3. स्वामी का पता
4. परिवहन के लिए पशुओं की संख्या, प्रत्येक पशु की जाति, आयु और लिंग को विनिर्दिष्ट करते हुए
5. पशुओं का परिवहन करने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों के नाम

6. परिवहन के लिए ऐसे पशुओं के उद्गम के स्थान और अन्तिम लक्ष्य के स्थान को विनिर्दिष्ट करें।
7. नियम 8 के अधीन दिए पशु चिकित्सा प्रमाणपत्र की एक प्रति संलग्न करें।
8. ऐसे पशुओं के परिवहन के दौरान उपलब्ध कराई गई भोजन, चारे और पानी की व्यवस्थाओं का ब्यौरा।

मैं एतद्वारा यह घोषणा करता हूँ कि मैं पूर्वोक्त वर्णित पशुओं का स्वामी हूँ। मैंने उक्त पशुओं का परिवहन करने के लिए श्री-----पुत्र-----निवासी-----को प्राधिकृत किया है। मैंने पशुओं के पैदल परिवहन नियम, 2000 को पढ़ा है और समझ लिया है तथा यह वचन देता हूँ कि परिवहन के दौरान उक्त नियमों का पालन किया गया है और किया जाएगा।

मैं एतद्वारा यह कथन करता हूँ कि ऊपर की सूचना सत्य और सही है।

हस्ताक्षर

(स्वामी)

### परिवाहक द्वारा भरा जाना चाहिए

मैं-----पुत्र-----निवासी-----  
-----एतद्वारा पूर्वोक्त वर्णित पशुओं का उद्भव के पूर्वोक्त स्थान से अन्तिम लक्ष्य के स्थान तक परिवहन करने के लिए अपनी सहमति देता हूँ।

मैंने पशुओं के पैदल परिवहन नियम, 2000 को पढ़ लिया है और समझ लिया है तथा यह वचन देता हूँ कि परिवहन के दौरान उक्त नियमों का पालन किया जाएगा।

मैं एतद्वारा यह कथन करता हूँ कि उपरोक्त जानकारी सत्य और सही है।

हस्ताक्षर

(परिवाहक)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 26th December, 2000

**S.O. 1163 (E).**—The following draft of certain rules, namely Prevention of Cruelty to Animals (Transport of Animal on Foot) Rules, 2000 which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by Section 38 of the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960, is hereby published as required by sub-section (1) of that section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of the period of sixty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, Shastri Bhawan, New Delhi.

The objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

### DRAFT

**1. Short title and commencement :—** (1) These rules may be called the Prevention of Cruelty to Animals (Transport of Animals on Foot) Rules, 2000.

(2) They shall come into force on the date of their final publication of the notification in the Official Gazette.

**2. Definitions :—**In these rules unless the context otherwise requires—

a. "Animal" it means livestock and includes the following animals, namely—

- (i) cattle including cow bulls, bullocks, buffalo bulls, bullocks, cows, buffaloes, MITHUNS, yaks and calves;
- (ii) equines including horses, ponies, mules and donkeys;
- (iii) horse including entires (stallions), goldings, brood mares, colts and fillies;
- (iv) goat including adult goat, male or female of two years age and above;
- (v) ruck including male goat;

- (vi) kid young goat below one year of age;
- (vii) nanny female goat;
- (viii) sheep adult sheep, male or female of two years age and of above age;
- (ix) ewe female sheep;
- (x) lamb young sheep below one year of age;
- (xi) ram male sheep
- (xii) wether includes male lamb that has been castrated before reaching sexual maturity.
- (xiii) pig includes adult pig, male or female of one year of age or of above age;
- (xiv) piglet includes young pig below one year of age;
- b "veterinary doctor" means a person who holds a degree of a recognised veterinary college and is registered with the Indian Veterinary Council;
- c "Schedule" means a schedule appended to these rules

**3. Application of the Rules—**These rules shall apply to transport of animals on foot when the distance from the boundary of village of town or city of the origin of such transport to the last destination is 5 km. or more than 5 km.

**4. Condition of health of animals transported on foot—**(1) Every animal to be transported on foot shall be healthy and in good condition for such transport;

(2) A certificate of a veterinary doctor in respect of each animal to be transported to the effect that such animal is in a fit condition for such transportation and is not suffering from any infectious, contagious or parasitic diseases and any that it has been vaccinated against any infectious, contagious or parasitic diseases shall accompany such animal

(3) The certificate under sub rule (1) shall be in the form as specified in Schedule 'A'

**5. Certain animals not to transport on foot.—**New born animals of which the navel has not completely healed, diseased, blind, emaciated, lame, fatigued, or having given birth during the preceding seventy two hours or likely to give birth during transport shall not be transported on foot.

**6. Transport in on-Farm social group.—**Animals shall be transported in their on-farm social groups (established at least one week prior to journey)

**7. First aid equipment to accompanying animals transported on foot.—**The owner of the animals shall provide veterinary first aid equipment to be accompanied with such animals while transported on foot.

**8. Certificate to be carried during transportation.—**In case the person transporting the animals on foot is not the owner of the animal then such person shall carry a certificate as specified in Schedule 'B' during such transportation.

**9. Watering arrangement during transportation of animals.—**The owner of the animals shall make watering arrangement in route during transport of such animals on foot

**10. Feed and fodder arrangements during transportation of animals.—**Sufficient feed and fodder with adequate reserve of such feed and fodder for the animals shall be made available by their owner during their transport on foot.

**11. Prohibition of the use of whip, etc during transportation of animals on foot.—**(1) No person shall use a whip or a stick in order to force the animal to walk or to hasten the pace of their walk nor such person shall apply chillies or any other substance to any part of the body of the animal for this purpose during their transportation on foot

(2) If any animal needs to be tied during transport on foot, it shall be tied by a rope covered with suitable cushioning such as cloth around its leg. Such animal shall not be tied by its nose, all legs or any other part of the body except by its neck.

(3) If more than one animal is to be tied adjacent to one another by a single rope during their transport on foot, the space between any two of such animals shall be minimum two feet. Such animals so tied shall be of similar physical condition and strength and no more than two such animals shall be tied adjacent to each other by a single rope

**12. Certain prohibition on transport of animals on foot.—**(1) No person shall transport on foot an animal before sunrise or after sunset

(2) No animal shall be transported on foot beyond the distance, time, rest interval and temperature specified for such animal in the Table below, namely

TABLE

Species (Animal)	Maximum distance covered/day/hour	Maximum no. of walking/day of hours (travelling)	Period or rest (Interval)	Temperature range	
				Max.	Min.
Cattle (Cows)	30 km/day 4 km/hr	8 hours	At every 2 hours for drinking and at every 4 hrs. for feeding	12 deg. C.	to 30 deg. C.
Buffaloes	25 km/day 3 km/hr	8 hours	At every 2 hours for drinking and at every 4 hrs. for feeding	12 deg. C.	to 30 deg. C.
Cows and Buffaloes calves	16 km/day 2.5 km/hr	6 hours	At every 1½ hrs. for drinking and at every 3 hrs. for feeding	15 deg. C.	to 25 deg. C.
Horses, Ponies, Mules, Donkeys	45 km/day 6 km/hr	8 hours	At every 3 hrs. for drinking and at every 6 hrs. for feeding	12 deg. C.	to 30 deg. C.
Young ones (foal)	25 km/day 4 km/hr	6 hours	At every 2 hrs. for drinking and at every 4 hrs. for feeding	15 deg. C.	to 25 deg. C.
Goats and Sheep	30 km/day 4 km/hr	8 hours	At every 2 hrs. for drinking and at every 4 hrs. for feeding	12 deg. C.	to 30 deg. C.
Kids and Lambs	16 km/day 2.5 km/hr	6 hours	At every 1½ hrs. for drinking and at every 3 hrs. for feeding	15 deg. C.	to 25 deg. C.
Pigs	15 km/day 2 km/hr	8 hours	At every 1½ hrs. for drinking and at every 3 hrs. for feeding	12 deg. C.	to 25 deg. C.
Piglets	10 km/day 1.5 km/hr	6 hours	At every 1½ hrs. for drinking and at every 3 hrs. for feeding	15 deg. C.	to 25 deg. C.

**Note :** After being provided with water every animal shall be given a break of 20 minutes before the commencement of the transport of the animal on foot and in case of feeding the break shall be given for one hour before the commencement of the transport of the animal on foot.

(3) No animal shall be made to walk under conditions of heavy rain, thunderstorms or extremely dry or sultry conditions during its transport on foot.

13. (1) Animals other than the animals whose hooves are provided with shoes (as in the case of pack or draught animals), hard cement, bitumen-coated or metalled roads, steep gradients or hilly and rocky terrain, irrespective of weather conditions (summer or winter) shall not be transported on foot.

(2) If any police officer above the rank of constable or any other person authorised in this behalf by the Central or State Government or by the Animal Welfare Board of India by the general or special order, has reason to believe that an offence has been or is being committed in respect of an animal in contravention of these rules, he may require the owner or other person in charge of such animal to take the animal to the nearest magistrate.

(3) If the owner or the person in charge of the animal referred to in sub-rule (2) refuses to comply with the demands of the police officer under that sub-rule, it shall be lawful for such police officer or such other persons to take the animal to the nearest magistrate.

[F. No. 19/1/2000-AWD]

DHARMENDRA DEO, Jt. Secy.

**SCHEDULE 'A'****Form for Certificate of fitness for transport of animals**

(SEE RULE 4 (3) )

This Certificate should be completed and signed by a qualified Veterinary Doctor

Date and time of examination :

Species

Number of Trucks/Railway Wagons

Number of Cattle

Sex

Age

**Identification**

**Breed** (giving characteristics) - Area where it is found  
with status regarding general resistance and heat tolerance.

**Individual Features of the animal-**

Body Colour,

Height,

Body weight (approx)

animal length,

breath (measured between pelvic bones),

colour of the eyes,

shape of the horns,

general condition (like fleshy, bony projections)

**Health Status**

History of the animal, feed status whether or not sign of anorexia/ diarrhea

1. Record Body Temperature
2. Examine eyes for bulging or protrusion of eyeball, blindness,  
Corneal opacity & specify
3. Condition of skin,  
(including signs of dehydration, injuries,  
anorexia (check for presence of warts on the skin)

4. Ears-  
Examine ears -(check for animal body response to hearing,  
check for any infection, inflammation or secretion  
(a) excess of wax, blood or any fluid)
5. Examine sub maxillary space for swelling  
(for any abnormality or pain)
6. Check for status of pregnancy of female animal  
If yes – which stage 1<sup>st</sup>, 2<sup>nd</sup> or 3<sup>rd</sup> stage
7. Examine udder & teats & specify
  - a. Relative size of quarters.
  - b. Check for signs of swelling/atrophy/ fibrous
  - c. in duration on palpation of individual quarter and specify.
  - d. Check teat canal for teat tumour or fibrosis of teat canal and specify.
8.
  - a) If female - check  
Check for sign of vaginal discharge on  
examination of the vulva and specify
  - b) In male - check  
Testicles- Size, any sign/abnormalities for monogastric animals.  
Penis- injury, abrasions or the sheath, discharges to be recorded
9. Sign of abdominal pain (check for gait or posture of the animal,  
check for signs of abdominal distention,  
left flank to be checked for rumen examination (full, empty)  
tympani/blood
10. Digestive System  
  
Examine mouth and specify
  - 1 Detail out dentition
  - 2 Specify - evidences of
    - tooth damage
    - broken or worn incisors.
11. Respiratory system.
  - a. Record Respiration rate:-
  - b. Auscultation & specify for signs  
of dyspnoea, respiratory distress & specify
12. In cows possessing horns  
check and specify
  - a) shape of horns
  - b) number of horn rings
  - c) any difference in the direction
  - d) or appearance of two horns



13. Examine ribs for fracture and specify
14. Examine abdominal wall for presence of ventral or umbilical hernia and specify.
15. Examine limbs and joints for bony enlargements or synovial distentions & specify check for signs of lameness – specify
16. Examine interdigital space for any lesions check and specify
17. Any indications of foot soreness, excessive wear of soles or laminitis
18. Examine circulatory system
  1. Specify Pulse rate
  2. Check for presence of oedema dependent portion or ascitis and specify.
19. Transported from \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_ via \_\_\_\_\_

I hereby certify that I have read the Prevention of Cruelty to Animals (Transport of Animals on Foot) Rules, 2000.

1. That, at the request of (consignor) \_\_\_\_\_ I examined the above mentioned Cattle in the goods vehicle/railway wagons not more than 12 hours before their departure.
2. That each cattle appeared to be in a fit condition to travel by rail/road and is not showing any signs of infectious or contagious or parasitic disease and that it has been vaccinated against rinderpest and any other infections or contagious or parasitic disease(s)
3. That the cattle were adequately fed and watered for the purpose of the journey.
4. That the cattle have been vaccinated.  
 (a) Type of vaccine: \_\_\_\_\_ (b) Date of vaccination: \_\_\_\_\_

Signed \_\_\_\_\_

Address \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

Qualification \_\_\_\_\_

**SCHEDULE 'B'****Authorisation Certificate**

(SEE RULE 8)

1. Name and age of the owner
2. Father's Name
3. Address of the Owner
4. No. of animals for transport specifying species, age and sex of each animal
5. Name of the person/ persons transporting the animals
6. Specify the place of origin and the place of last destination of such animals for transport
7. Attach a copy of the veterinary certificate granted under Rule 8
8. Details of feed, fodder and watering arrangements provided during transport of such animals.

I do hereby declare that I am the owner of the aforementioned animals. I have authorized Shri \_\_\_\_\_ S/o \_\_\_\_\_ r/o \_\_\_\_\_ to transport the said animals. I have read and understood the Transport of Animals on Foot Rules, 2000 and undertake that the said Rules have been and would be complied with during transport.

I do hereby state that the above information is true and correct.

Sd/-  
(Owner)

**To be filled in by the Transporter**

I \_\_\_\_\_ S/o \_\_\_\_\_ r/o \_\_\_\_\_ do hereby give my consent to transport the aforementioned animals from the aforesaid place of origin to the place of destination.

I have read and understood the Transport of Animals on Foot Rules, 2000 and undertake that the said Rules would be complied with during transport.

I do hereby state that the above information is true and correct.

Sd/-  
(Transporter)

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 2000

का. आ. 1164( अ ).—कतिपय नियमों अर्थात् पशुओं का परिवहन ( संशोधन ) नियम, 2000 का प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 ( 1960 का 59 ) की धारा 38 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा ( 1 ) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हों, सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली को भेजे जा सकते हैं।

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

## प्रारूप

1. ( 1 ) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पशुओं का परिवहन ( संशोधन ) नियम 2000 है।
- ( 2 ) ये राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. पशुओं का परिवहन नियम, 1978 में ( जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है ) अध्याय 6 के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

## “अध्याय 7

## रेल, सड़क और वायु मार्ग द्वारा कुक्कुट का परिवहन

76. परिभाषाएं—इस अध्याय में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, “कुक्कुट” में एक दिन के या पाताल मयूर जीवक शिशु, चिकन, बटेर, वृक्ष, कुक्कुट, बतख, हंस और पाताल मयूर सम्मिलित हैं।
77. रेल, सड़क या वायु मार्ग द्वारा कुक्कुट के परिवहन में, साधारण अपेक्षाएं—
- ( क ) आधानों में कुक्कुट को रखने से पहले उन्हें उपयुक्त रूप से साफ और रोगाणु मुक्त किया जाएगा;
  - ( ख ) कुक्कुट का परिवहन को दौरान धूप, वर्षा और वायु मार्ग के सीधे झोंकों में नहीं छोड़ा जाएगा;
  - ( ग ) कुक्कुट का परिवहन 25 डिग्री. से. से अधिक और 15 डिग्री. से. से कम तापमान पर नहीं किया जाएगा;
78. एक दिन के चूजे और पाताल मयूर जीवक शिशु—रेल, सड़क और वायु मार्ग द्वारा एक दिन के चूजे और कुक्कुट के परिवहन में—
- ( क ) चूजों और जीवक शिशु को अंडों से निकलने के तुरंत पश्चात् पैक किया जाएगा और भेजा जाएगा उन्हें भेजने से पहले किसी भी समय के लिए डिब्बों में भंडार नहीं किया जाएगा।

टिप्पण :—उक्त परिवहन में, परेपिती या उसके अधिकर्ता द्वारा यह प्रयास किया जाएगा कि परेपण गंतव्य स्थान तक, इन्क्यूबेटर से बाहर लाए जाने के पश्चात् कम से कम संभव समय के भीतर पहुंच जाने चाहिए। इन्क्यूबेटर से गिरने तक ले जाए जाने के लिए शीतकाल में बहतर घंटे और ग्रीष्म काल में अड़तालीस घंटे अधिकतम अवधि के रूप में सामान्यतया माने जाएंगे;

- ( ख ) चूजे या जीवक शिशुओं को परिवहन में पहले या दौरान दाना या पानी नहीं दिया जाएगा;
- ( ग ) यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक प्रयास किए जाएंगे कि चूजे और जीवक शिशु यथासंभव शीघ्र परेपक स्थल पर पहुंच जाएं;
- ( घ ) परेपिती या उसके अग्रेपण अधिकर्ता द्वारा व्यक्तिगत रूप से ध्यान देकर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी परेपण धूप, वर्षा और गर्मी के सीधे संपर्क से दूर रहें;
- ( ङ ) डिब्बे ले जाने में सावधानी के लिए समतल पर रखे जाएंगे जिसमें कि चूजों को पीठ के बल गिरने का खतरा न हो। अन्य पण्य वस्तुओं को चूजों के डिब्बों में ऊपर या चारों ओर रखने से बचा जाएगा।

79. एक दिन के चूजों और पाताल मयूर जीवक शिशुओं से भिन्न कुक्कुट—एक दिन के चूजों और पाताल मयूर जीवक शिशु से भिन्न कुक्कुट का परिवहन रेल, सड़क और वायु मार्ग द्वारा—
- (क) स्वस्थ और अच्छी स्थिति के कुक्कुट का परिवहन किया जाएगा, कुक्कुट का परीक्षण अर्हता प्राप्त पशु चिकित्सक के द्वारा किया जाएगा और यह प्रमाणित किया जाएगा कि वे विसंक्रमणीय रोगों के मुक्त और यात्रा के लिए उपयुक्त हैं;
- (ख) एक आधान में एक ही प्रजाति और एक आयु वर्ग के कुक्कुट परिवहन किए जाएंगे;
- (ग) परिवहन के लिए आधानों में रखने से पूर्व कुक्कुट को उचित रूप से दाना और पानी दिया जाएगा। अतिरिक्त दाना और पानी का भी समुचित रूप से आधान में लगी द्रोणिकाओं में प्रबंध किया जाएगा;
- (घ) परिवहन के दौरान दाना और पानी देने का प्रबंध किया जाएगा और गर्मी के मौसम के दौरान प्रत्येक छः घंटे पर पानी देना सुनिश्चित किया जाएगा;
- (ङ) एक ही आधान में मादा स्टॉक के साथ नर स्टॉक का परिवहन नहीं किया जाएगा।
80. सड़क मार्ग यात्रा—जब कुक्कुट रेल, सड़क या वायु मार्ग द्वारा परिवहन में हो तो आधान एक दूसरे के ऊपर नहीं रखे जाएंगे और इस प्रकार उपयुक्त क्रम में आच्छादित किए जाएंगे कि प्रकाश, सम्वातन का प्रबंध हो और वर्षा, गर्मी और शीत वायु से संरक्षा हो सके।
81. रेल मार्ग यात्रा :—कुक्कुट का सड़क, रेल या वायु मार्ग द्वारा परिवहन में :—
- (क) बारह घंटे से अधिक की यात्रा के मामले में परेपण के साथ परिचारक होगा;
- (ख) कुक्कुट वर्षा या सीधे हवा के झोंकों में नहीं रखे जाएंगे;
- (ग) जहां तक हो सके वैगन युक्त कुक्कुट के परिवहन में सम्वातन के लिए पर्याप्त प्रसुविधा का होगा और अन्य पण्य वस्तुएं जो पक्षियों के लिए घातक हैं एक ही वैगन में लदाई नहीं की जाएगी।
82. वायु मार्ग यात्रा—जब कुक्कुट रेल, सड़क और वायु मार्ग द्वारा परिवहन में हो तो अन्तरराष्ट्रीय परिवहन के लिए कुक्कुट वाहक आधान युक्त कक्षों में नियमित नियंत्रित तापमान पर रखे जाएंगे। आधान वरीयता में दरवाजों के सामने रखे जाएंगे और पहुंचने के तत्काल पश्चात् उतार लिए जाएंगे।
83. परिवहन के लिए आधान—सड़क, रेल या वायु मार्ग द्वारा कुक्कुट के परिवहन में,—
- (क) कुक्कुट के परिवहन में प्रयुक्त आधान ऐसी सामग्री से बने होंगे जो कि ढहने वाली या भंगुर न हो। वे अच्छे तरीके से सम्वातन और इस प्रकार डिजाइन किए जाएंगे कि कुक्कुट को पर्याप्त स्थान और सुरक्षा देकर उसके स्वास्थ्य की रक्षा कर सकें।
- (ख) आधान को इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि पक्षियों की भीड़ परिवहन के दौरान किनारों पर पक्षियों की संभावित भीड़ को बचाया जा सके और डिब्बों को खतरे से बचाने के लिए ताप पर इस प्रकार रखा जाएगा जिससे कि सम्वातन हो सके;
- (ग) सभी आधानों पर स्पष्ट रूप से लेबिल होंगे जिस पर परेपिती या परेपण पर नाम, पता और टेलिफोन संख्यांक प्रदर्शित हो सके;
- (घ) नीचे दी गई सारणी में, प्रत्येक पक्षी के लिए न्यूनतम आधान क्षेत्र और कुक्कुट के परिवहन के लिए आधानों की विमाएं नीचे दी गई हैं, अर्थात् :—

## सारणी

क्र. सं.	कुक्कुट का प्रकार	न्यूनतम	विमाएं			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(5)	(6)
		आधार क्षेत्र वर्ग से. मी.	लंबाई	चौड़ाई	ऊँचाई	आधान में संख्या
i.	माम बड़े चिकिन	75	60	30	18	24

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(5)	(6)
ii.	तीन मास बड़े चिकन	230	55	50	35	12
iii.	वयस्क स्टॉक (हंस और पाताल मयूर के सिवाय)	480	115	50	45	12
iv.	हंस और पाताल मयूर	900	120	75	75	10
		1300	75	35	75	2
		1900	55	35	75	1
v.	चूजे	—	60	45	12	80
vi.	जीवक शिशु	—	60	45	12	60

84. चूजों और जीवक शिशु के लिए आधानों की विशेष अपेक्षाएँ—सड़क, रेल या वायु मार्ग द्वारा कुक्कुट के परिवहन में—

- (क) आधानों के निचले भाग पर तार की जाली या किमी पदार्थ की जाली का उपयोग नहीं किया जाएगा;
- (ख) आधानों में समुचित रूप से सुरक्षित किया जाएगा जिससे चूज न निकल सकें;
- (ग) निम्नलिखित अनुदेश लेखिलों पर छापे जाएंगे और दृक्कन पर लगाए जाएंगे या सामने की दिशा में छापे जाएंगे, अर्थात् “परिवहन में सावधानी”;
- (घ) परेषिती को रेल परिवहन या उड़ान संख्यांक और उसके पहुंचने के समय की अग्रिम सूचना दी जाएगी;
- (ङ) कुक्कुट छः घंटे से अनधिक लगातार परिवहन नहीं किए जाएंगे। प्रत्येक छः घंटे के अंतराल पर पूरे बैच का निरीक्षण किया जाएगा;
- (च) परिवहन को तीस मिनट से अनधिक खड़ा रखा नहीं जाएगा इस अवधि के दौरान उसे छाया में खड़ा किया जाएगा और दाना और पानी का इंतजाम किया जाएगा;
- (छ) आग के धिहड़ सभी पूर्वावधानियां ली जाएंगी और प्रवाहक अग्निशामक की व्यवस्था करेगा।

#### अध्याय 8

#### सूअरों का रेल या सड़क द्वारा परिवहन

85. परिभाषा—इस अध्याय में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, “सूअरों” में जंगली सूअर, सूअरों के शिशु और जंगली सूअर परिवार के अन्य पशु सम्मिलित हैं।

86. यात्रा की अवधि—छः घंटों से अधिक रेल या सड़क की यात्रा द्वारा सूअरों के परिवहन में नियम 87 से 95 लागू होंगे।

87. स्वास्थ्य प्रमाणपत्र—(1) एक अहंता प्राप्त पशु शल्य चिकित्सक का इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि सूअर रेल या सड़क द्वारा यात्रा के लिए ठीक दिशा में हैं और वे संक्रामक या परजीवी रोगों से ग्रस्त नहीं हैं प्रत्येक सूअर के रेल या सड़क परेषण के साथ होगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्रमाणपत्र के अभाव में वाहक परिवहन के लिए परेषण स्वीकार करने से इंकार कर देगा।

(3) उपनियम (1) के अधीन प्रमाणपत्र अनुसूची (ट) में विनिर्दिष्ट प्ररूप पर होगा।

88. परेषिती और परेषक की पहचान—इस अध्याय के प्रयोजन के लिए—

- (क) प्रत्येक परेषण पर एक लेखिल होगा जिस पर परेषिती और परेषक का लाल अक्षरों में नाम, पता और टेलीफोन संख्यांक (यदि कोई हो) परिवहन किए जा रहे सूअरों की संख्या और उनकी किस्म, और उन्हें दिए जाने वाली रसद की मात्रा और खाद्यान्न दर्शित होंगे;
- (ख) परेषिती रेल या वाहक जिस पर सूअरों का परेषण भेजा गया है और उसके पहुंचने का समय अग्रिम रूप से सूचित करेगा;
- (ग) सूअरों के परेषण को अगली रेल या यान द्वारा बुक किया जाएगा और परेषण की बुकिंग स्वीकार करने के पश्चात् उसे रोका नहीं जाएगा।

**89. प्राथमिक उपचार—रेल या सड़क मार्ग द्वारा सूअरों के परिवहन में—**

- (क) सूअरों के साथ प्राथमिक उपस्कर उपचार होंगे ;
- (ख) सूअरों की लदाई और उतराई के लिए उपयुक्त रपटें उपलब्ध कराए जाएंगे ;
- (ग) रेल वैगन के मामले में जहां लदाई या उतराई प्लेटफार्म पर की जा रही हो वहां वैगन के नीचे खुलने वाले दरवाजे का रपटे के रूप में उपयोग किया जाएगा।

**90. सूअरों का समूह—रेल या सड़क मार्ग द्वारा सूअरों के परिवहन में—**

युवा नर पशुओं को उसी कंपार्टमेंट में मादा पशुओं के साथ नहीं मिलाया जाएगा।

**91. चारा और पानी की सुविधा—रेल या सड़क मार्ग द्वारा सूअरों के परिवहन में—**

यात्रा के दौरान अंत तक के लिए पर्याप्त खाद्यान और चारा ले जाया जाएगा और नियमित अन्तराल पर पानी की सुविधा की व्यवस्था की जाएगी।

**92. यात्रा के दौरान फर्श पर गद्दियां—रेल या सड़क मार्ग द्वारा सूअरों के परिवहन में—**

पशुओं को ले जाने के दौरान चोटों से बचाए रखने के लिए फर्श पर भूसा जैसे पदार्थों की गद्दियां होंगी और ये 5 से.मी. से कम मोटी नहीं होंगी।

**93. बेड़ियों पर पारबंदी—रेल या सड़क मार्ग द्वारा सूअरों के परिवहन में—**

पशुओं को बेड़ियों नहीं लगाई जाएंगी जब तक कि उनके बाहर कूद जाने का जोखिम न हो और उनके पैरों को बांधा नहीं जाएगा।

**94. रेल मार्ग यात्रा के दौरान स्थान की अपेक्षा—रेल मार्ग द्वारा सूअरों के परिवहन की दशा में—**

- (क) नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट संख्याओं से अधिक में भेड़ या बकरी रेल वैगन में समायोजित नहीं की जाएगी :—

**सारणी**

बड़ी लाइन		मीटर लाइन		छोटी लाइन
(1)		(2)		(3)
वैगन का क्षेत्र	वैगन का क्षेत्र	वैगन का क्षेत्र	वैगन का क्षेत्र	अनुज्ञेय नहीं
21.1 वर्ग मीटर से कम	21.1 वर्ग मीटर से अधिक	12.5 वर्ग मीटर से कम से कम	12.5 वर्ग मीटर से अधिक	
सूअरों की संख्या	सूअरों की संख्या	सूअरों की संख्या	सूअरों की संख्या	
35	50	25	30	

- (ख) प्रत्येक वैगन में पर्याप्त संवातन की व्यवस्था की जाएगी। वैगन के एक ओर का ऊपरी दरवाजा खुला रखा जाएगा और समुचित रूप से फिक्स किया जाएगा तथा वैगन के ऊपरी दरवाजे पर निकटतः बल्ट की गई पतली तार की जाली की व्यवस्था होगी ताकि इंजन से निकलने वाली आग की चिंगारियों को वैगन में प्रवेश करने और उनसे आग लग जाने की संभावना को रोका जा सके।

**95. सड़क मार्ग द्वारा यात्रा के दौरान स्थान की आवश्यकता—सड़क मार्ग द्वारा सूअरों के परिवहन में—**

- (क) 5 या 4.5 टन क्षमता के माल यान में, जिन्हें साधारणतया पशुओं के परिवहन के उपयोग में लाया जाता है बीस सूअरों से अधिक नहीं ले जाए जाएंगे ;
- (ख) बड़े माल यान और वैगन के मामलों में, प्रत्येक दो या तीन मीटर चौड़ाई में सूअरों की भीड़ और बांधने से रोकने के लिए विभाजित किया जाएगा ;
- (ग) छः सप्ताह की उम्र के सूअरों की दशा में अलग भाग में रखने की व्यवस्था की जाएगी।

## अध्याय-9

## प्रकीर्ण

96. परिवहन के पूर्व प्रमाणपत्र को जारी करना—(1) भारतीय पशु कल्याण बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए सम्यक् रूप से मान्यता प्राप्त और प्राधिकृत किसी अधिकारी या किसी व्यक्ति या पशु कल्याण संगठन द्वारा किसी पशु के किसी व्यक्ति द्वारा परिवहन किए जाने से पूर्व ऐसे पशुओं को प्रमाणीकरण कि सभी संबंधित केन्द्रीय और राज्य अधिनियम, नियम और अन्य आदेश के अधीन उक्त पशु के संबंध में परिवहन से संबंधित नियमों का समुचित अनुपालन करता है के लिए वैध प्रमाणपत्र जारी करेगा और यह कि पशु किसी नियम के उपबंधों के विपरीत किसी प्रयोजन के लिए परिवहन नहीं किए जाएंगे;

(2) वाहक ऐसे प्रमाणपत्र के बिना परिवहन के लिए किसी परेपण को अस्वीकार कर देगा।

**स्पष्टीकरण :—**इस नियम के प्रयोजन के लिए प्रमाणपत्र केन्द्रांय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट प्ररूप में जारी किया जाएगा।

97. परिवहन के लिए अनुज्ञा या प्राधिकरण का रद्दकरण.—(1) पशुओं के परिवहन के लिए इन नियमों में किसी नियम के उल्लंघन या अनुपालन की दशा में, यदि वह लिखित में भारतीय पशु कल्याण बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत किसी अधिकारी या व्यक्तियों या पशु कल्याण संगठन द्वारा बताया जाता है, तो ऐसे परिवहन के लिए जारी किसी अनुज्ञा या प्राधिकरण को संबंधित प्राधिकारी तत्काल रद्द कर देगा और पुलिस का यह कर्तव्य होगा कि वह मध्यवर्ती स्टेशन पर आगे परिवहन को रोक दे और ऐसे अपराधी के विरुद्ध कार्रवाई करे और पशु के साथ विधि के अनुसार संव्यवहार करे।

(2) रेल वैगन, ट्रक या अन्य किसी यान से उतारने के तत्काल पश्चात् पशुओं की अभिरक्षा किसी प्राधिकृत पशु कल्याण संगठन को, यदि उपलब्ध हो, तब तक दी जाएगी जब तक प्राधिकारी या अधिकारिता प्राप्त मजिस्ट्रेट उनकी देख-रेख और अनुरक्षण का विनिश्चय न कर दे।

98. परिवहन की साधारण शर्तें.—(1) स्वस्थ और अच्छी दशा के पशुओं का परिवहन किया जाएगा, ऐसे पशुओं का परीक्षण पशु चिकित्सक द्वारा किया जाएगा कि वे संक्रामक रोगों से मुक्त हैं और यात्रा के लिए उपयुक्त हैं परंतु यह कि उपयुक्तता की मात्रा का विनिश्चय करने के लिए प्रस्तावित यात्रा की प्रकृति और अवधि का विचार किया जाएगा।

(2) जो पशु यात्रा के लिए अनुपयुक्त हैं उनका परिवहन नहीं किया जाएगा। नये जन्मे, बीमार, अन्ध, कृश, पंगु, परिश्रांत या पिछले बहतर घंटे के दौरान जन्म देने या परिवहन के दौरान जन्म देने की संभावना वाले किसी पशु का परिवहन नहीं किया जाएगा।

(3) मगर्भ और नवजात पशुओं को परिवहन के दौरान अन्य पशुओं के साथ सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

(4) विभिन्न वर्गों के पशुओं को परिवहन के दौरान अलग रखा जाएगा।

(5) बीमार पशुओं को जो कि चिकित्सा के लिए परिवहन किए जा रहे हों, अन्य पशुओं के साथ सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

(6) झगड़ालू पशुओं को परिवहन के लिए लड़ाई के पहले प्रशांत किए जाएंगे।

(7) पशुओं का परिवहन उनके सामाजिक समूहों में किया जाएगा (यात्रा से कम से कम एक सप्ताह पूर्व संस्थापित किए जाएंगे)।”

[ फा. सं. 19/1/2000-ए डब्ल्यू डी ]

धर्मेन्द्र देव, संयुक्त सचिव

3. उक्त नियमों में अनुसूची अ के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात् :—

“अनुसूची ट

( नियम 85 देखिए )

यात्रा के लिए सूअर के आरोग्य प्रमाणपत्र का प्रोफार्मा

( यह प्रमाणपत्र अर्हता प्राप्त पशु चिकित्सक द्वारा पूर्ण और हस्ताक्षरित किया जाएगा। )

परीक्षा की तारीख और समय —————

पशुओं की प्रजाति-----

पशुओं की संख्या-----

लिंग-----आयु-----

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि मैंने पशुओं का परिवहन नियम, 1978 के अध्याय 8 के अधीन नियम 86 से 95 तक पढ़ लिए हैं।

1. कि परेषिती-----के अनुरोध पर मैंने उपरोक्त वर्णित पशुओं का उनके प्रस्थान से बारह घंटे से अनधिक पूर्व परीक्षण कर लिया है।
2. कि वे सभी रेल/सड़क/समुद्र द्वारा यात्रा के लिए ठीक दशा में प्रतीत होते हैं और किसी संक्रामक या संसर्गज या परजीवी बीमारी (बीमारियों) से ग्रसित होने का कोई लक्षण नहीं दिखाई देता है और किसी संक्रामक या संसर्गज बीमारी (बीमारियों) के विरुद्ध टीका लगाया गया है।
3. पशुओं को यात्रा के प्रयोजन के लिए पर्याप्त खारा और पानी दिया गया है।
4. पशुओं को टीका लगाया गया है।
  - (क) वैक्सीन का प्रकार :
  - (ख) टीका लगाने की तारीख :

तारीख-----

हस्ताक्षर-----

पता-----

अहंता-----

### NOTIFICATION

New Delhi, the 26th December, 2000

S. O. 1164(E).—The following draft of certain rules to amend the Transport of Animals Rules 1978, namely the Transport of Animals (Amendment) Rules, 2000 which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by Section 38 of the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960, is hereby published as required by sub-section (1) of that section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of the period of sixty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public.

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, Shastri Bhawan, New Delhi.

The objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government



**DRAFT**

1. (1) These Rules may be called the Transport of Animals (Amendment) Rules, 2000
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette
2. In the Transport of Animal Rules, 1978 (hereinafter referred to as the said rules), after chapter VI, the following Chapters shall be inserted, namely -

**“Chapter VII****TRANSPORT OF POULTRY BY RAIL, ROAD AND AIR**

- 76 **Definition** - In this Chapter, unless the context otherwise requires, “Poultry” includes day old chicks and turkey poults, chickens, quails, guinea fowls, ducks, geese and turkeys.
77. **General requirement – In transport of poultry by rail, road or air, -**
  - (a) the containers shall be properly cleaned and sterilised before the poultry is placed in them;
  - (b) poultry shall not be exposed to the sunlight, rain and direct blast of air during transport;
  - (c) poultry shall not be transported when the temperature exceeds 25 degree Celsius or when the temperature falls below 15 degree Celsius.
78. **Day-old Chicks and turkey poults-** In transport of day old chicks and poultry by rail, road and air-
  - (a) chicks and poults shall be packed and dispatched immediately after hatching and shall not be stored in boxes for any length of time before dispatch.

**Note:** In the said transport endeavour shall be made by the consignor or his agent so that consignments should arrive at destination within the shortest possible time after being taken out of the incubator. Seventy two hours shall normally be regarded as the maximum period to be taken from incubator to brooder in winter and 48 hours in summer;

- (b) chicks or poults shall not be fed or watered before and during transportation;
- (c) every effort shall be made to ensure that chicks and poults arrive as quickly as possible at the dispatching site,
- (d) personal attention shall be given by the consignor or the forwarding agent to ensure that all consignments are kept out of direct sunlight, rain and heat;
- (e) care shall be taken to carry the boxes in a level position so that chicks are not in danger of falling over on to their backs. Putting up of other merchandise over and around chick boxes shall be avoided.

79. **Poultry other than Day-old Chicks and Turkey Poults-** In transport of poultry other than day old chicks and turkey poult by rail, road or air
- (a) the poultry to be transported shall be healthy and in good condition. Poultry shall be examined and **certified** by a qualified veterinary doctor for freedom from infectious diseases and fitness to undertake the journey,
  - (b) poultry transported in the same container shall be of the same species and of the same age group,
  - (c) poultry shall be properly fed and watered before it is placed in containers for transportation. Extra feed and water shall be provided in suitable troughs fixed in the containers,
  - (d) arrangements shall be made for watering and feeding during transportation. During hot weather, watering shall be ensured every six hours;
  - (e) male stock shall not be transported with female stock in the same container.
80. **Road Travel-** In transport of poultry by rail, road or air, the container shall not be placed one on the top of the other and shall be covered properly in order to provide light, ventilation and to protect from rain, heat and cold air.
81. **Rail Travel-** In transport of poultry by road, rail or air,-
- (a) in case the journey is for<sup>a</sup> more than twelve hours, an attendant shall accompany the consignment;
  - (b) poultry shall not be exposed to rain or direct blast of air;
  - (c) as far as possible poultry shall be transported in wagons having adequate facilities for ventilation and no other merchandise which may result in mortality of birds shall be loaded in the same wagon.
82. **Air travel-** In transport of poultry by rail, road or air, for international transport the containers carrying poultry shall be kept in pressurised compartments with regulated temperature. The container shall preferably be kept near the door and shall be unloaded immediately on arrival.
83. **Containers for Transportation-** In transport of poultry by rail, road or air :-
- (a) containers used to transport poultry shall be made of such material which shall not collapse or crumble. They shall be well ventilated and designed to protect the health of poultry by giving it adequate space and safety.
  - (b) the containers shall be so designed as to render it impossible for birds to crowd into the corners during transportation, and to avoid the danger of boxes being stocked so close together as to interfere with ventilation;
  - (c) all the containers shall be clearly labelled showing the name, address and telephone number of the consignor and the consignee;
  - (d) the minimum floor space per bird and the dimensions of the containers for transporting poultry shall be as specified in the Table below, namely-

TABLE

S.No.	Kind of Poultry	Minimum	Dimension			Number in a container
		Floor space cm <sup>2</sup>	Length cm	Width cm	Height cm	
i.	Month old chickens	75	60	30	18	24
ii	Three month old chickens	230	55	50	35	12
iii	Adult stock (excluding geese and turkeys)	480	115	50	45	12
iv	Geese and turkeys	900	120	75	75	10 youngs
		1300	75	35	75	2 Growing
		1900	55	35	75	1 grown up
v	Chicks	-	60	45	12	80
vi	Poult	-	60	45	12	60

**84. Special requirement of containers for Chicks and Poults-** In transport of poultry by road, rail or air-

- wire mesh or a net of any material shall not be used as a bottom for the containers;
- the container shall be properly secured to avoid pilferage;
- the following instruction shall be printed on a label and fixed to the lid or printed directly on sides, namely "Care in Transit"
- the consignee shall be informed about the train, transport or flight number and its time of arrival well in advance;
- poultry shall not be transported continuously for more than 6 hours. Whole batch shall be inspected at every 6 hours interval;
- the transportation shall not remain stationary for more than 30 min. During this period, it shall be parked in shade and arrangements shall be made for feeding and watering;
- all precautions against fire shall be taken and provision of fire extinguishers in transporters shall be provided.

## **CHAPTER- VIII**

### **TRANSPORT OF PIGS BY RAIL OR ROAD**

- Definition-** In this Chapter, unless context otherwise requires, "pigs" includes piglets, hogs, hoglets and animals of pigs family.
- Duration of Travel-** Rules 87 to 95 shall apply to the transport of pigs by rail or road involving journeys of more than six hours.
- Health Certificate-** (1) A valid health certificate by a qualified veterinary surgeon to the effect that the pigs are in a fit condition to travel by rail or road and

are not suffering from infectious or contagious or parasitic disease shall accompany each consignment in the transport of pigs by rail or road.

(2) In the absence of a certificate under sub-rule (1), the carrier shall refuse to accept the consignment for transport.

(3) The certificate under sub-rule (1) shall be in a form specified in Schedule K.

88. **Identification of consignor and consignee-** For the purpose of this Chapter-

- a) each consignment shall bear a label showing in bold red letters the name, address and telephone number (if any) of the consignor and consignee, the number and type of pigs being transported and quantity of rations and food provided to them;
- b) the consignee shall be informed in advance about the train or vehicle in which the consignment of pigs is being sent and its arrival time;
- c) the consignment of pigs shall be booked by the next train or vehicle and shall not be detained after the consignment is accepted for booking

89. **First Aid-** In transport of pigs by rail or road-

- (a) First-aid equipment shall accompany the pigs;
- (b) suitable ramps shall be provided for loading and unloading the pigs.
- (c) in the case of a railway wagon, when the loading or unloading is done on the platform the dropped door of the wagon shall be used as a ramp

90. **Group of Pigs-** In transport of pigs by rail or road-

male young stock shall not be mixed with female stock in the same compartment.

91. **Facility of Food and Water-** In transport of pigs by rail or road-

sufficient food and fodder shall be carried to last during the journey and watering facility shall be provided at regular intervals

92. **Padding of floor during travel-** In transport of pigs by rail or road-

material for padding, such as straw, shall be placed on the floor to avoid injury if an animal lies down, and this shall be not less than 5 cm thick

93. **Ban on Fettering-** In transport of pigs by rail or road-

the animals shall not be fettered unless there is a risk of their jumping out and their legs shall not be tied down

94. **Space requirement during rail travel-** In transport of pigs by rail-

- (a) no railway wagon shall accommodate more than the number of the sheep or goats as specified in the Table below:-

TABLE

Broad gauge (1)		Metre gauge (2)		Narrow gauge (3)
Area of Wagon	Area of Wagon	Area of Wagon	Area of wagon	
Less than 21.1 Square Meters	More than 21.1 Square Meter	Less than 12.5 Square Meter	More than 12.5 Square Meter	
Number of pigs:	Number of pigs:	Number of pigs:	Number of Pigs:	
35	50	25	30	not allowed

- (b) adequate ventilation shall be provided in every wagon. Upper door of one side of wagon shall be kept open and properly fixed and the upper door of the wagon shall have wire gauge closely welded mesh arrangements to prevent burning cinders from the engines entering the wagon and leading to fire breakout.

95. **Space requirement during road travel-** In transport of pigs by road-

- (a) goods vehicles of capacity of 5 or 4.5 tons, which are generally used for transportation animals, shall carry out not more than twenty pigs;
- (b) in the case of large goods vehicles and wagons, partition shall be provided at every two or three metres across the width to prevent the crowding and trapping of pigs;
- (c) in the case of pigs under six weeks of age, separate panels shall be provided.

## CHAPTER IX MISCELLANEOUS

96. **Issue of certificate before transportation-** (1) A valid certificate issued by an officer or any person or Animal Welfare Organisation duly recognised and authorised for this purpose by the Animal Welfare Board of India or the Central Government shall be procured by any person making transport of any animal before transportation of such animal verifying that all the relevant Central and State Acts, rules and orders pertaining to the said animals including the rules relating to transport of such animals have been duly complied with and that the

animal is not being transported for any purpose contrary to the provision of any law.

(2). In the absence of such certificate, the carrier shall refuse to accept the consignment for transport.

**Explanation:** For the purposes of this rule the certificate shall be issued in such form as may be specified for this purpose by the Central Government.

97. **Cancellation of permit or authorisation for transport -** (1) In the event of contravention or non compliance of any of the rules contained in these rule for transport of animals, if it is pointed out in writing by any officer or persons or Animal Welfare Organisation authorised for this purpose by the Animal Welfare Board of India or the Central Government, then, any permit or authorisation issued for such transport shall be immediately cancelled by the concerned authority and the police shall be duty bound to stop the further transport even from the intermediary station and proceed against the said offenders and deal with the animal in accordance with law

(2) The custody of the animals immediately after unloading from the rail wagons, truck or any other vehicle shall be given to the authorised Animal Welfare Organisation if available, till the competent authority or the magistrate having jurisdiction decides about their care and upkeep.

98. **General Conditions of Transport-** (1) Animals to be transported shall be healthy and in good condition. Such animals shall be examined by a veterinary doctor for freedom from infectious diseases and their fitness to undertake the journey; provided that the nature and duration of the proposed journey shall be taken into account while deciding upon the degree of fitness.

(2) An animal which is unfit for transport shall not be transported. Animal who are new born, diseased, blind emaciated, lame, fatigued or having given birth during the preceding seventy two hours or likely to give birth during transport shall not be transported.

(3) Pregnant and very young animals shall not be mixed with other animals during transport.

(4) Different classes of animals shall be kept separately during transport.

(5) Diseased animals, whenever transported for treatment, shall not be mixed with other animals.

(6) Troublesome animals shall be given tranquilisers before loading during transport.

- (7) Animals shall be transported in their on-farm social groups (established atleast one week prior to journey)".

[F. No. 19/1/2000-AWD]

DHARMENDRA DEO, Jt. Secy.

3. In the said rules, after Schedule J, the following Schedule shall be inserted, namely:-

**"SCHEDULE K**  
(See rule 85)

**Proforma for Certificate of fitness to travel Pigs**

(This certificate should be completed and signed by a qualified Veterinary Surgeon.)

Date and time of examination \_\_\_\_\_

Species of Animals \_\_\_\_\_

Number of Animals \_\_\_\_\_

Sex \_\_\_\_\_ Age \_\_\_\_\_

I hereby certify that I have read Rules 86 to 95 in Chapter VIII of the Transport of Animals Rules, 1978.

1. That, at the request of (consignor) \_\_\_\_\_ I examined the above mentioned animals not more than 12 hours before their departure.
2. That each appeared to be in a fit condition to travel by rail/road/sea and is not showing any signs of any infectious or contagious or parasitic disease(s) and that it has been vaccinated against any infectious or contagious disease(s).
3. That the animals were adequately fed and watered for the purpose of the journey.
4. That the animals have been vaccinated.
  - (a) Type of vaccine(s): \_\_\_\_\_
  - (b) Date of vaccination: \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

Signed \_\_\_\_\_  
Address \_\_\_\_\_

Qualification \_\_\_\_\_ "

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 2000

**का०आ० 1165 (अ).—**कतिपय नियमों अर्थात् पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (वधशाला) नियम, 2000 का प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) की धारा 38 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिसको भारत के उच्च राजपत्र की प्रतिलिपि जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करी दी जाती है; साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उससे पूर्व निर्धारित किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हों, सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली को भेजे जा सकते हैं।

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

## प्रारूप

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (वधशाला) नियम, 2000 है।  
(2) ये राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. **परिभाषा.**—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,  
(क) “अधिनियम” से पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) अभिप्रेत है।  
(ख) “वध” से खाद्य के प्रयोजन के लिए किसी पशु को मारना या उसका नाशन अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत सभी ऐसे पशुओं पर वध किए जाने के लिए तैयार करने के उद्देश्य से की जाने वाली सभी प्रक्रियाएं और प्रचालन भी हैं;  
(ग) “वधशाला” से वह वधशाला अभिप्रेत है जहां प्रति दिन 10 या 10 से अधिक पशुओं का वध किया जाता है और जो किसी केन्द्रीय या राज्य या प्रांतीय अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए किन्हीं नियमों या विनियमों के अधीन सम्बन्धित रूप से अनुज्ञप्त या मान्यता प्राप्त है।  
(घ) “पशु चिकित्सक” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके पास विधि के अधीन स्थापित किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान की डिग्री है और भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् के यहां रजिस्ट्रीकृत है।
3. (1) कोई व्यक्ति नगरपालिका क्षेत्र के भीतर किसी पशु का, तत्पक्ष प्रवृत्त विधि के अधीन मशकत किए गए सम्बद्ध प्राधिकारी द्वारा, वैसा किए जाने के लिए मान्यता प्राप्त या अनुज्ञप्त वधशाला को छोड़ कर, अन्यत्र वध नहीं करेगा;  
(2) किसी पशु का, जो—  
(i) मगर्भा है; या  
(ii) जिसका तीन मास से कम आयु का बच्चा है; या  
(iii) तीन मास से कम आयु का है; या  
(iv) रजिस्ट्रीकृत पशु चिकित्सक द्वारा प्रमाणित नहीं किया गया है कि वध किए जाने योग्य स्थिति में है, वध नहीं किया जाएगा।  
(3) केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट नगरपालिका या अन्य स्थानीय प्राधिकारी वधशाला की क्षमता और उस क्षेत्र की स्थानीय जनसंख्या, जहां वधशाला स्थित है, को ध्यान में रखते हुए एक दिन में वध किए जा सकने वाले अधिकतम पशुओं की संख्या अवधारित करेगा।
4. **प्रतिग्रहण क्षेत्र या विश्राम स्थल.**—(1) वधशाला के पास पशु चिकित्सा निरीक्षण के अधीन रहते हुए, उपयुक्त आकार का पशु धन के लिए पर्याप्त प्रतिग्रहण क्षेत्र होना चाहिए।  
(2) पशु चिकित्सक एक घंटे में 12 पशुओं से अनधिक और एक दिन में 96 पशुओं से अनधिक की पूर्ण रूप से जांच करेगा।



- (3) पशु चिकित्सक पशु की जांच करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार द्वारा, इस प्रयोजन के लिए, विनिर्दिष्ट प्ररूप में आरोग्य प्रमाणपत्र देगा।
  - (4) वधशाला के प्रतिग्रहण क्षेत्र में बाहनों या रेल बैगनों से पशुओं की सीधी उतराई के लिए उपयुक्त ढलान होनी चाहिए। उक्त प्रतिग्रहण क्षेत्र में पशुओं के आहार और पानी के लिए पर्याप्त समुचित सुविधाएं होनी चाहिए।
  - (5) वधशाला में ऐसे पशुओं, जिनके बारे में सन्देह है कि वे सांसर्गिक और संक्रामक रोगों से ग्रस्त हैं, और झगड़ालू पशुओं के लिए उन्हें शेप पशुओं से अलग करने के उद्देश्य से पानी और आहार के इंतजाम के साथ पृथक् विसंपर्कन बाड़े होने चाहिए।
  - (6) वधशाला में वध किए जाने वाले पशुओं के वर्ग के अनुसार पर्याप्त रखाव क्षेत्र का उपबंध होना चाहिए। उक्त रखाव क्षेत्र में पानी और आहार की सुविधाएं होनी चाहिए। वधशाला में विश्रामस्थलों पर ऊपर सुरक्षात्मक ओट होनी चाहिए।
  - (7) वधशाला में वधपूर्ण और याड़ा क्षेत्र में अछेद्य सामग्री अर्थात्—फिमलनरहित हेरिंग बोन प्रकार की कंकरीट, जो खुदों द्वारा टूट-फूट सह सकने योग्य हो, या ईंट का खड़जा होगा और उसमें उपयुक्त जल निकास सुविधाएं बनी होनी चाहिए। उक्त अछेद्य सामग्री के किनारों, जिनकी ऊंचाई 150 से 300 मि०मी० हो, का पशुधन के बाड़ा क्षेत्र की मेड़ के चारों ओर, प्रवेशमार्ग को छोड़ कर, उपबंध किया जाएगा और उक्त बाड़ अधिमान्यतः ढकी होनी चाहिए।
5. **पशु विश्रामिकाएं**.—(1) प्रत्येक पशु, पशुचिकित्सक के निरीक्षण के बाद, वध किए जाने से पूर्व 24 घंटे के विश्राम के लिए पशु विश्रामिका में रखा जाएगा।
- (2) वधशाला की विश्रामिका उपयुक्त आकार की होगी जो विश्रामिका में रखे जाने वाले पशुओं के लिए पर्याप्त हो। ऐसी विश्रामिका के बाड़ों में उपबंधित स्थान प्रत्येक बड़े पशु के लिए 2.8 वर्गमीटर से और प्रत्येक छोटे पशु के लिए 1.6 वर्ग मीटर से कम नहीं होगी। उक्त विश्रामिकाओं में रखे जाने वाले पशु उनकी किस्म और वर्ग पर निर्भर करते हुए पृथक् रूप से रखे जाएंगे। ऐसी विश्रामिका का संनिर्माण इस प्रकार का होगा कि गर्मी, सर्दी और वर्षा से पशुओं का बचाव हो जाए। विश्रामिका में पानी और पशु मुक्त निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएं होंगी।
6. **वध**.—(1) वधशाला में किसी भी पशु का वध अन्य पशुओं के सामने नहीं किया जाएगा।
- (2) किसी भी पशु को, उसके किसी विनिर्दिष्ट रोग या बीमारी से उपचार को छोड़ कर वध किए जाने से पूर्व कोई रसायन, औषधि या हार्मोन नहीं दिया जाएगा।
  - (3) वधशाला के वध स्थानों में उपयुक्त विमाओं के पृथक्-पृथक् ऐसे खंडों का उपबंध किया जाएगा जो व्यक्तिमः पशु के वध के लिए पर्याप्त हो जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि वध किए जाने वाला पशु, अन्य पशुओं की दृष्टि में नहीं आए।
  - (4) प्रत्येक वधशाला में यथा संभव शीघ्र, वध, रक्त प्रवाह और दरेमी किए जाने से पूर्व पशुओं को अचेत करने के लिए पृथक् स्थान का उपबंध होगा। वधशाला का प्रहार खंड इस प्रकार बनाया जा सकता है जो पशु के और विशेषरूप से धार्मिक वर्ध, यदि कोई है, के अनुकूल हो। ऐसा प्रहार खंड और उसके साथ रखे जाने का शुष्क स्थान इस प्रकार बना होगा कि बिना कटा-छेदा शव किसी प्रचालक द्वारा, पशु शव को निकास बैरियर से जाने दिए बिना, इस खंड से सुगमता से निकाला जा सके।
  - (5) वधशाला में, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा विनिर्दिष्ट उपयुक्त आकार के ढलानों रक्त-प्रवाह क्षेत्र का उपबंध होगा और इसकी स्थिति ऐसी होगी कि रक्त, वध किए जा रहे अन्य पशुओं या चर्म उतारने की क्रिया के अधीन कटे छंटे शवों पर न गिरे। वधशाला में रक्त की नाली और संग्रहण अव्यवहित और समुचित होना चाहिए। वधशाला में फर्श धोने के पाइंट का आन्तगर्भक सफाई के लिए उपबंध किया जाएगा और प्रहारक को आवधिक रूप से चाकू को रोगाणुरहित करने और अपने हाथ धोने के लिए तथा धोने का बेसिन और चाकू को रोगाणु रहित करने वाले घोल का भी उपबंध होगा।
  - (6) किसी वधशाला में पशुओं की दरेमी फर्श पर नहीं की जाएगी। वधशाला में पशुओं का चमड़ा उतारने या भरण के लिए समुचित माधन और औजारों की व्यवस्था की जाएगी। वधशाला में चमड़ों या चर्मों के तुरन्त निपटान के लिए साधनों का उपबंध किया जाना चाहिए। चमड़ा या चर्म तत्काल वधशाला में या तो बंद एक पहिया ठेला में या स्वतः बंद होने वाले दरवाजे सहित किसी हल प्रणाली द्वारा ले जाया जाएगा। किसी दशा में ऐसा चमड़ा या चर्म निरीक्षण के लिए वध वाले फर्श पर बिखेरा नहीं जाएगा। फर्श, धुलाई स्थल और पर्याप्त संख्या में निष्कीटक सहित हाथ धोने के बेसिनों का वधशाला के दरेमी क्षेत्र में उपबंध किया जाएगा। पशुओं की टांगों, सींगों, उनके अफरा और अन्य अंगों को तत्काल निपटान के साधनों का, कमानों भार पट्टों या सरकावा दरवाजों या बंद एक पहिया ठेला के माध्यम से, वधशाला में उपबंध किया जाएगा। यदि किसी वधशाला में एक पहिया ठेला या ट्रकों का प्रयोग किया जाता है तो इस बात की सावधानी बरती जाएगी कि स्थल पर एक पहिया ठेला या ट्रक दरेमी रेलों के नीचे नहीं चलाया जाता है और ट्रकों के आवागमन के लिए साफ रास्ते का उपबंध किया जाता है।

- (7) किसी वधशाला में वध किए गए विभिन्न प्रकार के पशुओं के बिसिरे के निरीक्षण के लिए समुचित पर्याप्त स्थान तथा उपयुक्त और उचित रूप से अवस्थित सुविधाओं का उपबंध किया जाएगा। वधशाला में हाथ धोने, औजारों के विसंक्रमीकरण, फर्श की धुलाई और कंडम की गई सामग्री के तत्काल पृथक्करण और निपटान के लिए युक्तिओं की समुचित प्रसुविधाएं होंगी। वधशाला के स्वामी द्वारा वधशाला में पशु शव, सिर और सिर की पहचान, निरीक्षण और सहसम्बन्ध के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जाएंगे।
- (8) किसी वधशाला में ऐसे वक्रकार और पृथक् रूप से जल निकास क्षेत्र का या पर्याप्त आकार वाले क्षेत्र का, जिसमें फर्श नाली की ओर प्रति मीटर 33 मिलीमीटर का ढलान होना चाहिए; जहां पशु शवों को पानी की धार से धोया जाए, ऐसे वधशाला के स्वामी द्वारा उपबंध किया जाएगा।
7. **वधशाला भवन**—किसी वधशाला भवन के विभिन्न संनिर्माण, उसके स्वामी द्वारा, नीचे यथा विनिर्दिष्ट रीति से निर्मित किए जाएंगे और बनाए रखे जाएंगे अर्थात् :—
- (क) **संयंत्र भवन**—प्रयोग की गई सामग्री अभेद्य, आसानी से साफ करने योग्य और छीजन तथा क्षरणरोधी होगी। काष्ठ, प्लास्टरबोर्ड और क्रिड्रित ध्वनिल बोर्ड जैसी सामग्री का जो अवशोषक और साफ रखने में कठिन है, प्रयोग नहीं किया जाएगा।
- (ख) **फर्श**—फर्श अनवशोषक और गैर फिसलन वाली खुरदरे फिनिश के होंगे और जल निकास के लिए उपयुक्त ढाल होगा।
- (ग) **लघु निवेशिकाएं**—स्वच्छता बनाए रखने के लिए पर्याप्त त्रिष्ण वाली लघु निवेशिकाएं सभी कमरों में फर्शों और दीवारों के जोड़ों पर संस्थापित की जाएंगी और वे 100 मिलीमीटर से कम नहीं होंगी।
- (घ) **भीतरी दीवारें**—भीतरी दीवारें चिकनी और सपाट होंगी तथा कांचित ईंट, कांचित टाइल, सपाट सतह पोर्टलैंड सीमेंट प्लास्टर जैसी अभेद्य सामग्री से या अन्य विपरीत, अनवशोषक सामग्री को उपयुक्त आधार से लगा कर संनिर्मित की जाएंगी। दीवारों को, हाथ डेलों पशु शव नरहरों द्वारा नुकसान से बचाने के लिए उपयुक्त सफाई किस्म के टक्कर रोक का उपबंध किया जाएगा। भीतरी दीवारों की फर्श से 2 मीटर की ऊंचाई तक की सतह धोने योग्य होंगी ताकि छोटों को धोया और रोगाणु मुक्त किया जा सके।
- (ङ) **भीतरी छत**—कार्य के कमरों में भीतरी छतों की ऊंचाई 5 मीटर या उससे अधिक होगी। जहां तक संरचनात्मक दशाएं अनुज्ञात करें, भीतरी छतें चिकनी और सपाट होंगी। भीतरी छतें पोर्टलैंड सीमेंट प्लास्टर, बड़े आकार के सीमेंट एसबेस्टस बोर्डों से संनिर्मित की जाएंगी और उनके जोड़ किसी नम्य सीलिंग यौगिक या अन्य ग्राह्य अभेद्य सामग्री से सील और फिनिश किए जाएंगे ताकि संघेनन, फफुंर वृद्धि पपड़ी और धूल का संघेयन क्रम से कम हो। कांचित किस्म के भाग के ऊपर की दीवारें और भीतरी छतें उन्हें साफ बनाए रखने के लिए जलरोधी पेंट से पेंट की जाएंगी।
- (च) **खिड़की फलक**—खिड़की फलक में सफाई बढाने के लिए पेंतालीस डिग्री पर ढलान रखा जाएगा। हाथ डेलों और जैसे ही उपकरण के संसात से खिड़कियों के कांच को नुकसान से बचाने के लिए फर्श के स्तर से 12 सौ मिलीमीटर के ऊपर खिड़कियों की दहलीज रखी जाएगी। यांत्रिक निकास या काम श्लाक निकास के माध्यम से समुचित संघातन के लिए छत की संरचना में उपबंध किया जाएगा।
- (छ) **द्वार और दरवाजे**—वे द्वार जिनमें होकर उत्पाद, रेलों या हाथ डेलों में अन्तर्गत किया जाता है, कम से कम 15 सौ मिलीमीटर ऊंचे और कम से कम 15 सौ मिलीमीटर चौड़े होंगे। दरवाजे या तो पूरी तरह जंग रोधी धातु संनिर्माण के होंगे या यदि वे कठोर साफ्टवुड सहित जंग रोधी धातु के बने हैं तो उन्हें टांके वाली या वेल्ड की गई संशियों के साथ दोनों ओर से ढका जाएगा। दरवाजों के बाजू धातु से अच्छी तरह ढक कर भिपकाए जाएंगे जिससे कि धूल या कीड़े मकड़ों के लिए प्रवेशिकाएं न रह सकें और वे जोड़, जिन पर दरवाजा दीवारों में जुड़ा है, नम्य सीलिंग यौगिक से प्रभावी तौर पर सील किए जाएंगे।
- (ज) **परदे और क्रीट नियंत्रण**—सभी खिड़कियां, दरवाजे और अन्य निकामों पर, जहां से मक्खियां प्रवेश कर सकती हैं, प्रभावी क्रीट और कृत्रिक रोधी परदे लगाए जाएंगे। ऐसे खाद्य हैंडलिंग क्षेत्रों की, जिनका प्रयोग भोजन और प्राप्य करने के लिए किया जाता है, बाहरी दीवारों में दरवाजों पर फर्माई बेज पंखों और फलिकाओं या वायु परदों का उपबंध किया जाएगा।
- (झ) **कुन्तक रोधन**—डोम बिनाई कार्य की दशा में के मिट्टान, कांचित टाइल, कांचित ईंट और बेंसी ही सामग्री से संनिर्मित दीवारों में विन्यासित भातु या तार के जालरंध्र, जो 12.5 मिलीमीटर से अधिक न हों, दीवारों और फर्श में उनमें जोड़ पर जड़े जाएंगे। ऐसे जालरंध्र जहां और अन्य कुन्तकों के प्रवेश से बचन के लिए पर्याप्त दूरी तक उध्वांश और क्षैतिज रूप से लगाए जाएंगे।
- (ञ) **ट्रकों के लिए यानीय क्षेत्र**—समुचित नालीयुक्त और भवन में कम से कम 6 मीटर तक क्रक्रीट बिछा क्षेत्र, लदाई ढाक या जीव-जन्तु प्लेट फार्मों का उन स्थानों पर उपबन्ध किया जाएगा जहां यानों की लदाई या उताराई की जाती है। पशुओं को ढोने वाले ट्रकों के लिए ऐसे स्थानों पर दाब धुलाई जेटों और विसंक्रमण समुविधाओं का भी उपबंध किया जाएगा।

- (ट) **जल निकास**—फर्श के उन हिस्सों पर जहाँ आर्द्र संक्रियाएँ की जाती हैं अच्छा जल निकास होगा। यथा संभव फर्श स्थान के प्रत्येक 37 वर्गमीटर के लिए एक जल निकास निवेश का उपबंध किया जाएगा। प्रायिक दशाओं के लिए जल निकास निवेशों तथा लगभग 20 मिलीमीटर प्रति मीटर ढलान का भी उपबंध किया जाएगा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि फर्श की ढलानें नागियों तक एक समान हों, उसमें ऐसे कोई गड्ढे न हों जिनमें दूध एकत्रित हो सके। जब फर्श नागियों उन कमरों में संस्थापित की जाती हैं जहाँ चौरागढ़ों में जल सील के पूर्व भराई के बिना वाष्पित होने की संभावना है, वहाँ उपयुक्त हटाए जाने योग्य धातु के पेंच प्लग की व्यवस्था की जाएगी।
- (ठ) **जल निकास लाइनों पर चौरागढ़े और छिद्र**—प्रत्येक फर्श नाली को, जिसमें रक्त नागियाँ भी हैं एक गहरी सील टैप ( पाँ , या एल-आकार ) से संज्जित किया जाएगा। जल निकास लाइनें उचित रूप से बाहरी वायु के लिए छिद्रल की जाएंगी और उन पर पभावी कुन्तक जालियाँ लगाई जाएंगी।
- (ड) **सफाई जल निकास लाइनें**—संयंत्र के भीतर शौचालय पैन और मूत्रालयों की जल निकास लाइनें, अन्य जल निकास लाइनों के साथ जोड़ी नहीं जाएंगी और उन्हें ग्रीजकैच बेसिन में छोड़ा नहीं जाएगा। ऐसी लाइनें संस्थापित की जाएंगी जिससे यदि रिमन बढ़े तो उससे उत्पाद या उपस्कर पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (ढ) **प्रकाश व्यवस्था और संवातन**—अशीतित कार्य कक्षों में पर्याप्त सीधे प्राकृतिक प्रकाश और संवातन की अथवा यांत्रिक साधनों द्वारा प्रचुर कृत्रिम प्रकाश और संवातन का उपबंध किया जाएगा। रोशनदानों और खिड़कियों में रंगहीन कांच का, जिसमें प्रकाश का अधिक पारगमन हो, प्रयोग किया जाएगा। किसी कार्य कक्ष में कांच वाला क्षेत्र, फर्श का लगभग एक चौथाई होगा। ऐसा अनुपात वहाँ बढ़ा दिया जाएगा जहाँ पर्यवेक्ष्य भवन, शिरोपरि सांकरी और उनीलन जैसे अवरोध होंगे। अच्छी क्वालिटी का वितरित कृत्रिम प्रकाश और उतनी दूरी पर जितना केन्द्रीय सरकार विनिर्दिष्ट करे, सभी स्थानों पर जहाँ पर्याप्त प्राकृतिक प्रकाश उपलब्ध नहीं है या अपर्याप्त है, लगाया जाएगा।
- (ण) प्रत्येक बूचड़खाने में वध स्थान कक्षों में केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा विनिर्दिष्ट 200 लक्ष्म से अन्यून समग्र तीव्रता के वितरित कृत्रिम प्रकाश का उपबंध किया जाएगा। और उन स्थानों पर जहाँ मांस का निरीक्षण किया जाता है, कृत्रिम प्रकाश की समग्र तीव्रता 500 लक्ष्म से अन्यून होगी।
- (त) प्रत्येक वधशाला में बाहरी वायु के संवातन के उचित और पर्याप्त साधनों का उपबंध किया जाएगा। वधहाल का सन्निर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि देरमी किए गए पशु शव सीधे सूर्य के प्रकाश के सामने न पड़ें।
- (थ) सम्पूर्ण परिमरी में ताजे जल का पर्याप्त, सुरक्षित, पेय और मतत् प्रदाय उपलब्ध होगा।
- (द) फर्श की धुलाई के सामान्य प्रयोजन के लिए दबाव अधिमानतः सम्पूर्ण फर्श की धुलाई के लिए 200 से 330 के पी ए रहेगा।
- (ध) पशु शवों की पूर्ण और प्रभावी धुलाई के लिए, 1000 के पी ए से 1700 के पी ए तक के बीच उचित दबाव रखा जाएगा।
- (न) वध के फर्श और कार्य विभागों पर अधिमानतः कम से कम 37 वर्ग मीटर के लिए फर्श धुलाई बिन्दु का उपबंध किया जाएगा।
- (प) काम के घंटों के दौरान वधहाल और कार्य कक्षों में साफ गर्म जल का मतत् प्रदाय उपलब्ध रहेगा। उपकरण को बार-बार विस्मकमित करने के लिए अपेक्षित गर्म जल 82 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं होगा।
- (फ) जहाँ सफाई के रख रखाव के लिए आवश्यक हो, उपकरण सन्निर्मित और संस्थापित किए जाएंगे ताकि पूर्णतः सफाई होती रहे।
- (ब) किसी बूचड़खाने में निम्नलिखित सामग्री का प्रयोग नहीं किया जाएगा, अर्थात् :—
- खाद्य उत्पादों के लिए प्रयुक्त उपकरण में ताम्बा और उसकी मिश्रण धातु।
  - खाद्य पदार्थों को उठाने धरने के उपकरण में किसी रूप में अरगजी।
  - उत्पाद जोन में रंजित मतह वाले उपकरण।
  - तामचीनी के आधान या उपकरण वांछनीय नहीं हैं, और
  - सीसा।
- (भ) सभी म्थायी रूप से माउंट किए गए उपकरण, सफाई और निरीक्षण के लिए पहुँच की व्यवस्था हेतु दीवारों से पर्याप्त रूप से दूर (कम से कम 300 मिलीमीटर) संस्थापित किए जाएंगे।

- (म) सभी स्थायी रूप से माउंट किए गए उपकरण, सफाई और निरीक्षण के लिए पहुंच की व्यवस्था हेतु फर्श से पर्याप्त रूप से ऊपर (कम से कम 300 मिलीमीटर) संस्थापित किए जाएंगे या पूरी तरह फर्श क्षेत्र में सील (जलरोधी) किए जाएंगे।

#### 8. बधशाला में नियोजन—

- (1) किसी बधशाला का स्वामी या अधिभोगी, पशुओं का बध करने के लिए किसी व्यक्ति को तब तक नियोजित नहीं करेगा जब तक कि उसके पास नगर पालिका या अन्य स्थानीय प्राधिकारी द्वारा जारी विधि मान्य अनुज्ञापित या प्राधिकार न हो।
- (2) कोई व्यक्ति, जिसने 18 वर्ष की आयु पूरी नहीं कर ली है, किसी बधशाला में किसी रूप में नियुक्त नहीं किया जाएगा।
- (3) किसी ऐसे व्यक्ति को, जो किसी संक्रामक या संसर्गज रोग से पीड़ित है, किसी पशु का बध करने के लिए अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

#### 9. बधशाला का निरीक्षण—(1) भारतीय पशु कल्याण बोर्ड या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई व्यक्ति या पशु कल्याण संगठन, किसी बधशाला का, काय के घंटों के दौरान किसी भी समय यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन नियमों के उपबंधों का पालन किया जा रहा है, बधशाला के स्वामी या उसके भारसाधक व्यक्ति को सूचना दिए बिना, उसका निरीक्षण कर सकेगा।

- (2) उपनियम (1) के अधीन प्राधिकृत व्यक्ति या पशु कल्याण संगठन, निरीक्षण के पश्चात् अपनी रिपोर्ट भारतीय पशु कल्याण बोर्ड और नगर पालिका स्थानीय प्राधिकारी को समुचित कारवाई के लिए, जिसके अन्तर्गत इन नियमों के किसी उपबंध के अतिव्यंघन की दशा में, विधिक कार्यवाही संस्थित करना भी है, भेजेगा।

[फा० सं० 19/1/2000-ए डब्ल्यू डी]

धर्मेन्द्र देव, संयुक्त सचिव

### NOTIFICATION

New Delhi, the 26th December, 2000

**S. O. 1165 (E).—**The following draft of certain rules, namely the Prevention of Cruelty to Animals (Slaughter House) Rules, 2000 which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by Section 38 of the Prevention of Cruelty to Animals Act of 1960 (59 of 1960), is hereby published as required by sub-section (1) of that section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of the period of sixty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, Shastri Bhawan, New Delhi.

The objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

### DRAFT

#### 1. Short title and commencement — (1) These rules may be called the Prevention of Cruelty to Animals (Slaughter House) Rules, 2000

- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

#### 2. Definitions - In these rules, unless the context otherwise requires,

- (a) “Act” means the Prevention to Cruelty to Animals Act of 1960 (59 of 1960);

- (b) "slaughter" means the killing or destruction of any animal for the purpose of food and includes all the processes and operations performed on all such animals in order to prepare it for being slaughtered;
  - (c) "slaughter house" means a slaughter house wherein 10 or more than 10 animals are slaughtered per day and is duly licensed or recognised under a Central, State or Provincial Act or any rules or regulations made thereunder;
  - (d) "Veterinary Doctor" means one who holds a degree of a recognised university or institution established under the law and is registered with the Indian Veterinary Council;
- 3.
- (1) No person shall slaughter any animal within a municipal area except in a slaughter house recognised or licensed by the concerned authority empowered under the law for the time being in force to do so;
  - (2) No animal which -
    - (i) is pregnant, or
    - (ii) has an offspring less than three months old, or
    - (iii) is under the age of three months or
    - (iv) has not been certified by a registered veterinary doctor that it is in a fit condition to be slaughtered,
 -- shall be slaughtered
  - (3) The municipal or other local authority specified by the Central Government for this purpose shall, having regard to the capacity of the slaughter house and the requirement of the local population of the area in which a slaughter house is situated, determine the maximum number of animals that may be slaughtered in a day.
4. **Reception area or resting grounds-** (1) The slaughter house shall have a reception area of adequate size sufficient for livestock to subject to veterinary inspection.
- (2) The veterinary doctor shall examine thoroughly not more than 12 animals in an hour and not more than 96 animals in a day.
  - (3) The veterinary doctor after examining the animal shall issue a fitness certificate in the form specified by the Central Government for this purpose.
  - (4) The reception area of slaughter house shall have proper ramps for direct unloading of animals from vehicles or railway wagons. The said reception area shall have adequate facility sufficient for feeding and watering of animals.
  - (5) Separate isolation pens shall be provided in slaughter house with watering and feeding arrangements for animals suspected to be suffering from contagious and infectious diseases, and fractious animals, in order to segregate them from the remaining animals.

- (6) Adequate holding area shall be provided in slaughter house according to the class of animals to be slaughtered. The said holding area shall have water and feeding facilities. The resting grounds in slaughter house shall have overhead protective shelters.
  - (7) Ante-mortem and pen Area in slaughter house shall be paved with impervious material such as concrete non-slippery herring-bone type suitable to stand wear and tear by hooves, or brick, and pitched to suitable drainage facilities. Curbs of said impervious material 150 to 300 mm high shall be provided around the borders of livestock pen area, except at the entrances and such pen shall preferably be covered.
5. **Lairages:-** (1) Every animal after it has been subject to veterinary inspection shall be passed on to a lairage for resting for 24 hours before slaughter.
- (2) The lairage of the slaughter house shall be adequate in size sufficient for the number of animals to be laired. The space provided in the pens of such lairage shall be not less than 2.8 sq. mt. per large animal and 1.6 sq. mt. per small animal, The animals shall be kept in such lairage separately depending upon their type and class. Such lairage shall be so constructed as to protect the animals from heat, cold and rain. The lairage shall have adequate facilities for watering and post-mortem inspection.
- 6 **Slaughter:-** (1) No animal shall be slaughtered in a slaughter house in sight of other animals.
- (2) No animal shall be administered any chemical, drug or hormone before slaughter except drug for its treatment from any specific disease or ailment.
  - (3) The slaughter halls in a slaughter house shall provide separate sections of adequate dimensions sufficient for slaughter of individual animals to ensure that the animal to be slaughtered is not within the sight of other animals
  - (4) Every slaughter house as soon as possible shall provide a separate space for stunning of animals prior to slaughter, bleeding and dressing of the carcasses. Knocking section in slaughter house may be so planned as to suit the animal and particularly the ritual slaughter, if any. Such knocking section and dry landing area associated with it shall be so built that escape from this section can be easily carried out by an operator without allowing the animal to pass the escape barrier.
  - (5) A curbed-in bleeding area of adequate size as specified by the Central Government shall be provided in a slaughter house and it shall be so located that the blood could not be splashed on other animals being

slaughtered or on the carcass being skinned. The blood drain and collection in a slaughter house shall be immediate and proper. A floor wash point shall be provided in a slaughter house for intermittent cleaning and a hand-wash basin and knife sterilizer shall also be provided for the sticker to sterilize knife and wash his hands periodically.

- (6) Dressing of carcasses in a slaughter house shall not be done on floor. Adequate means and tools for dehuding or belting of the animals shall be provided in a slaughter house. Means for immediate disposal of hides or skins should be provided in a slaughter house. Hides or skins shall be immediately transported from a slaughter house either in a closed wheelbarrow or by a chute provided with self-closing door. In no case such hides or skins shall be spread on slaughter floor for inspection. Floor wash point and adequate number of hand wash basins with sterilizer shall be provided in a dressing area of a slaughter house. Means for immediate disposal of legs, horns, hooves and other parts of animals shall be provided through spring load floor chutes or sidewall doors or closed wheelbarrows in a slaughter house. In case wheelbarrows or trucks are used in a slaughter house, care shall be taken that no point wheelbarrow or truck has to ply under the dressing rails and a clear passage is provided of movement of the trucks.
- (7) Adequate space and suitable and properly located facilities shall be provided sufficient for inspection of the viscera of the various types of animals slaughtered in a slaughter house. A slaughter house shall have adequate facilities for hand washing, tool sterilization and floor washing and contrivances for immediate separation and disposal of condemned material. Adequate arrangements shall be made in a slaughter house by its owner for identification, inspection and correlation of carcass, viscera and head.
- (8) In a slaughter house, a curbed and separately drained area or an area of sufficient size, sloped 33 mm per metre to a floor drain, where the carcasses may be washed with a jet of water, shall be provided by the owner of such slaughter house

**7 Slaughter House Building-** The different construction of a slaughter house shall be built and maintained by its owner in the manner as specified below, namely-

- (a) plant building- Materials used shall be impervious, easily cleansable, and resistant to wear and corrosion. Materials such as wood, plaster board, and porous acoustic-type boards, which are absorbent and difficult to keep clean shall not be used.
- (b) floors- The floors shall be non-absorbent and non-slippery with rough finish, and shall have suitable gradient for drainage;

- (c) coves- coves with radii sufficient to promote sanitation shall be installed at the juncture of floors and walls in all rooms and which shall not be less than 100 mm;
- (d) interior Walls- Interior walls shall be smooth and flat and constructed of impervious materials such as glazed brick, glazed tile, smooth surface Portland cement plaster, or other non-toxic, non-absorbent material applied to a suitable base. Walls shall be provided with suitable sanitary type bumpers to prevent damage by hand trucks, carcass shanks, and the like. The interior walls shall have washable surface up to the height of 2 meters from the floor so that the splashes may be washed and disinfected.
- (e) ceilings- Ceilings shall be of the height of 5 mtrs or more in workrooms. So far as structural conditions permit, ceilings shall be smooth and flat. Ceilings shall be constructed of Portland cement plaster, large size cement asbestos boards with joints sealed with a flexible sealing compound, or other acceptable impervious material and finished so as to minimise condensation, mould development, flaking and accumulation of dirt. The walls above glazed type portion and ceiling shall be painted with water-resistant paint to maintain them clean;
- (f) window ledges- Window ledges shall be sloped at 45 degrees to promote sanitation. To avoid damage to glass in windows from impact of hand trucks and similar equipment, the windowsills shall be 1 200 mm above the floor level. Proper ventilation through mechanical venting or through working vents shall be provided in the roof structure;
- (g) doorways and doors- Doorways through which product is transferred on rails or in hand trucks shall be at least 1 500 mm high and shall be atleast 1 500 mm wide. Doors shall either be of rust-resistant metal construction throughout, or if made with rust-resistant metal having tight softwood, they shall be clad on both sides with soldered or welded seams. Doorjambs shall be clad with rust-resistant metal securely affixed so as to provide no crevices for dirt or vermin and the juncture at which the door joins the walls shall be effectively sealed with a flexible sealing compound;
- (h) screens and insect control- All windows, doorways, and other openings that may admit flies shall be equipped with effective insect and rodent screens. 'Fly chaser' fans and ducts or air curtains shall be provided over doorways in outside wall of food handling areas that are used for dispatch or receiving;
- (i) rodent-proofing- Except in the case of solid masonry, walls constructed of glazed tile, glazed brick, and the like, expanded metal or wire mesh, not exceeding 12.5 mm mesh, shall be embedded in walls and floor at their junction. Such mesh shall extend vertically and horizontally to a sufficient distance to exclude the entrance of rats and other rodents;
- (j) vehicular areas for trucks- Concrete paved areas, properly drained and extending at least 6 metres from building, loading docks or livestock platforms shall be provided at places where vehicles are loaded or unloaded. Pressure washing jets and disinfection facilities for trucks carrying animals shall also be provided at such places.



- (k) **Drainage-** All parts of floors where wet operations are conducted shall be well drained. As far as possible, one drainage inlet shall be provided for each 37metre square of floor space. A slope of about 20 mm per metre to drainage inlets shall be provided for usual conditions. It shall be ensured that the floor slopes uniformly to drains with no low spots, which collect liquid. Floor drains shall not be provided in freezer rooms or dry storage areas. When floor drains are installed in rooms where the water seal in traps is likely to evaporate without replenishment, they shall be provided with suitable removable metal screw plugs;
- (l) **traps and vents on drainage lines-** Each floor drain, including blood drains, shall be equipped with a deep seal trap (P-, U-, or S-shape). Drainage lines shall be properly vented to the outside air and be equipped with effective rodent screens;
- (m) **sanitary drainage lines-** Drainage line from toilet pans and urinals shall not be connected with other drainage lines within the plant and shall not discharge into a grease catch basin. Such lines shall be installed so that if leakage develops, it shall not affect the product or the equipment;
- (n) **lighting and ventilation-** Unrefrigerated work rooms shall be provided with adequate direct natural light and ventilation or ample artificial light and ventilation by mechanical means. Uncoloured glass having a high transmissibility of light shall be used in skylights and windows. The glass area shall be approximately one-fourth the floor area of a workroom. Such ratio shall be increased where there are obstructions, such as adjacent buildings, overhead catwalks, and hoists, which interfere with the admittance of direct natural light. Distributed artificial lighting of much quality and at such distances as may be specified by the Central Government shall be provided at all places where adequate natural light is not available or is insufficient.
- (o) Every abattoir shall be provided with distributed artificial light of an overall intensity of not less than 200 lux at the distances as may be specified by the Central Government throughout the slaughter hall and workrooms and at places where meat inspection is carried out, the overall intensity of artificial light shall be not less than 500 lux;
- (p) every abattoir shall be provided with suitable and sufficient means of ventilation to the outside air. The construction of the slaughter hall shall be so arranged that the dressed carcasses are not exposed to direct sunlight;
- (q) a sufficient, safe, potable and constant supply of fresh water shall be available at adequate pressure through the premises;
- (r) the pressure for the general purpose of floor washing may preferably be 200 to 330 kPa for thorough floor cleaning;
- (s) for thorough and efficient washing of carcasses, a higher pressure between 1000 kPa to 1 700 kPa shall be maintained;
- (t) floor washing point shall be provided preferably for minimum 37 meter square on slaughter floor and working departments;
- (u) a constant supply of clean hot water shall be available in the slaughter hall and workrooms during working hours. Hotwater required for frequent sterilising of equipment shall not be less than 82 degree Celsius;

(v) where necessary for sanitary maintenance, equipment shall be constructed and installed so as to be completely self-draining;

(w) the following materials shall not be used in an abattoir, namely:-

- (i) copper and its alloys in equipment used for edible products;
- (ii) cadmium in any form in equipment handling edible products;
- (iii) equipment with painted surface in product zone;
- (iv) enamel containers or equipment is not desirable, and
- (v) lead

(x) all permanently mounted equipment shall either be installed sufficiently away from walls (minimum 300 mm) to provide access for cleaning and inspection;

(y) all permanently mounted equipment shall either be installed sufficiently above the floor (minimum 300 mm) to provide access for cleaning and inspection or be completely sealed (watertight) to the floor area;

8. **Engagement in slaughter house:-** (1) No owner or occupier of a slaughter house shall engage a person for slaughtering animals unless he possesses a valid license or authorisation issued by the municipal or other local authority.

(2) No person who has not attained the age of 18 years shall be employed in any manner in a slaughter house.

(3) No person who is suffering from any communicable or infectious disease shall be permitted to slaughter an animal.

9. **Inspection of slaughter house:-** (1) The Animal Welfare Board of India or any person or Animal Welfare Organisation authorised by it may inspect any slaughter house without notice to its owner or the person incharge of it at any time during the working hours to ensure that the provisions of these rules are being complied with.

(2) The person or Animal Welfare Organisation authorised under sub rule (1) shall after inspection send its report to Animal Welfare Board of India as well as to the municipal or local authority for appropriate action including initiation of legal proceedings if any, in the event of violation of any provisions of these rules.

[F No. 19/1/2000-AWD]

DHARMENDRA DEO, Jt. Secy

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 2000

का.आ. 1166 (अ).—कतिपय नियमों अर्थात् पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (पशुओं के प्रति क्रूरता के निवारण के लिए सोसाइटियों का गठन और विनियमन) नियम, 2000 का प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) की धारा 38 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिसको भारत के उस राजपत्र की प्रतियाँ जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती है; साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हों, सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली को भेजे जा सकते हैं।

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

## प्रारूप

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (पशुओं के प्रति क्रूरता के निवारण के लिए सोसाइटियों का गठन और विनियमन) नियम, 2000 है।

(2) ये राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) “अधिनियम” से पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) अभिप्रेत है;

(ख) “पशु कल्याण संगठन” से पशुओं के कल्याण के लिए ऐसा कोई संगठन अभिप्रेत है, जो सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) के अधीन या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य तत्स्थानीय विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत है और बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त है;

(ग) “बोर्ड” से अधिनियम के अधीन स्थापित भारतीय पशु कल्याण बोर्ड अभिप्रेत है;

(घ) “स्थानीय प्राधिकरण” से किसी विनिर्दिष्ट स्थानीय क्षेत्र के भीतर पशुओं से संबंधित किसी मामले के नियंत्रण और प्रशासन के लिए किसी विधि द्वारा प्राधिकृत कोई नगर पालिका बोर्ड या नगर पालिका समिति, राज्य पशु कल्याण बोर्ड, जिला बोर्ड या कोई स्थानीय पशु कल्याण संगठन अभिप्रेत है;

(ङ) “सोसाइटी” से किसी जिले में सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) के अधीन या राज्य में लागू किसी अन्य तत्स्थानीय विधि के अधीन पशुओं के प्रति क्रूरता के निवारण के लिए स्थापित सोसाइटी (जिसे इसमें इसके पश्चात् एस पी सी ए कहा गया है) अभिप्रेत है और इसमें किसी जिले में कृत्य कर रही विद्यमान एस पी सी ए सम्मिलित है;

3. किसी जिले में पशुओं के प्रति क्रूरता के निवारण के लिए सोसाइटी :—(1) प्रत्येक राज्य सरकार, यथाशीघ्र और प्रत्येक दशा में इन नियमों के प्रारंभ की तारीख से छह मास के भीतर, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा प्रत्येक जिले के लिए एक सोसाइटी स्थापित करेगी, जो उस जिले में एस पी सी ए होगी;

परंतु यह कि किसी जिले में इन नियमों के प्रारंभ की तारीख को पशुओं के प्रति क्रूरता के निवारण के लिए कृत्य कर रही कोई सोसाइटी, उस जिले में इन नियमों के अधीन एस पी सी ए की स्थापना तक, अपने कृत्यों का निर्वहन करती रहेगी।

(2) सोसाइटी की प्रबंध समिति राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा नियुक्त की जाएगी, जिसमें एक अध्यक्ष, जिसकी नियुक्ति, यथास्थिति, राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा बोर्ड की सहमति से की जाएगी, और अन्य सदस्यों की ऐसी संख्या होगी, जिसे राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकरण निम्न शर्तों के अधीन रहते हुए आवश्यक समझे—

(1) कम से कम दो सदस्य ऐसे होंगे जो पशु कल्याण संगठनों के प्रतिनिधि हों और जो अधिमानतः जिले के भीतर पशुओं के प्रति क्रूरता के निवारण के और पशु कल्याण के कार्यों में सक्रिय रूप से लगे हों, और

(2) कम से कम दो सदस्य, सोसाइटी के सदस्यों के साधारण निकाय द्वारा निर्वाचित सदस्य होंगे।

(3) सोसाइटी का कर्तव्य इस अधिनियम के उपबंधों के प्रवर्तन में सरकार, बोर्ड और स्थानीय प्राधिकरण की सहायता करना होगा और उसे ऐसी उपविधियाँ और मार्गदर्शी सिद्धान्त बनाने की शक्तियाँ होंगी, जो उसके कर्तव्यों के दक्षतापूर्ण निर्वहन के लिए आवश्यक समझे जाएं।

- (4) सोसाइटी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई व्यक्ति, यदि सोसाइटी या उस व्यक्ति के पास यह विश्वास करने के लिए युक्ति युक्त आधार है कि किसी व्यक्ति ने अधिनियम के अधीन कोई अपराध किया है, तो सोसाइटी या ऐसा प्राधिकृत व्यक्ति ऐसे व्यक्ति से, उसके कब्जे, नियंत्रण, अभिरक्षा या उसके स्वामित्व में के किसी पशु को या ऐसे व्यक्ति को मंजूर की गई या अधिनियम के उपबंधों के अधीन उसके द्वारा रखे जाने के लिए अपेक्षित किसी अनुज्ञप्ति, अनुज्ञापत्र अथवा किसी अन्य दस्तावेज को प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा और तलाशी या जांच करने के लिए किसी यान को रोक सकेगा या किसी परिसर में प्रवेश कर सकेगा और किसी ऐसे पशु का, जिसकी बाबत सोसाइटी या ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति के पास यह विश्वास करने का कारण है कि अधिनियम के अधीन अपराध किया गया है, अभिग्रहण कर सकेगा और उसके साथ विधि के अनुसार व्यवहार कर सकेगा।
- (5) इन नियमों द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अतिरिक्त, राज्य सरकार बोर्ड के परामर्श से किसी सोसाइटी को इन नियमों के अधीन शक्तियों के प्रयोग और उसे समनुदेशित कृत्यों के निर्वहन के लिए अन्य शक्तियां प्रदत्त कर सकेगा।
4. रुग्णावास और पशु आश्रयों की स्थापना :— (1) प्रत्येक राज्य सरकार सोसाइटी को रुग्णावास और पशु आश्रयों के सन्निर्माण के प्रयोजन के लिए पर्याप्त भूमि और अन्य प्रसुविधाएं उपलब्ध कराएगी।
- (2) प्रत्येक रुग्णावास और पशु आश्रय में निम्नलिखित होगा—
- (i) एक पूर्णाकालिक पशु शल्य चिकित्सक और ऐसे रुग्णावास और पशु आश्रय को प्रभावी रूप से चलाने और उनके अनुरक्षण के लिए अन्य कर्मचारिवृंद; और
- (ii) एक प्रशासक, जिसे सोसाइटी द्वारा नियुक्त किया जाएगा।
- (3) प्रत्येक सोसाइटी, उसके प्रशासक के माध्यम से या अन्य रूप से, इसके नियंत्रण और अधिकारिता के अधीन आने वाले रुग्णावासों और पशु आश्रयों के संपूर्ण कार्यों की पर्यवेक्षा करेगी।
- (4) स्थानीय प्राधिकरण के स्वामित्वाधीन और उसके द्वारा चलाए जा रहे सभी कांजी हाउसों और पिंजरापोलों का प्रबंधन ऐसे प्राधिकरण द्वारा सोसाइटी या पशु कल्याण संगठन के साथ संयुक्त रूप से किया जाएगा।
- (5) एस. पी. सी. ए. का विनियमन :— (1) प्रत्येक सोसाइटी अपनी वार्षिक रिपोर्ट बोर्ड को प्रस्तुत करेगी, जिसमें ऐसे वार्षिक लेखों के साथ, जिन्हें किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट या विधि द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य निकाय, ने, ऐसे लेखों के सोसाइटी की प्रबंध समिति द्वारा अंतिम रूप दिए जाने की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर सम्यक रूप से लेखा परीक्षा किया है, इसके द्वारा पशुओं के कल्याण के लिए किए गए क्रियाकलापों और इस अधिनियम तथा इसके अधीन बनाए गए नियमों के विभिन्न उपबंधों के कार्यान्वयन के लिए उठाए गए कदम और किए गए उपाय सम्मिलित होंगे।
- (2) बोर्ड, सोसाइटी द्वारा प्रस्तुत ऐसी वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखों की परीक्षा करेगा और इसके कार्यकरण को बेहतर बनाने के लिए निदेश भी दे सकेगा जिनमें अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों को प्रभावी करने के विचार से सोसाइटी की प्रबंध समिति का अधिक्रमण भी है।
- परंतु बोर्ड सोसाइटी को अधिक्रांत करने और सोसाइटी की उपविधि के अनुसार नई प्रबंध समिति को निर्वाचित करने के लिए निर्वाचन कराने के निदेश देने से पूर्व, सोसाइटी के पदधारियों या उसके किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देगा।
- (3) बोर्ड किसी भी सोसाइटी को उसके सुचारू और दक्षतापूर्ण कार्यकरण के लिए कोई निदेश दे सकेगा, जिसमें सोसाइटी की प्रबंध समिति के निर्वाचन कराने की प्रक्रिया, अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए वित्तीय संसाधनों का उपयोग और आस्तियों का प्रबंधन भी सम्मिलित है।

[फा. सं. 19/1/2000-ए डब्ल्यू डी]

धर्मेन्द्र देव, संयुक्त सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 26th December, 2000

S.O. 1166(E).—The following draft of certain rules, namely, the Prevention of Cruelty to Animals (Establishment and Regulation of Societies for Prevention of Cruelty to Animals) Rules, 2000 which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by Section 38 of the Prevention of Cruelty to Animals Act of 1960 (59 of 1960), is hereby published as required by sub-section (1) of that section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of the period of sixty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public.

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, Shastri Bhawan, New Delhi.

The objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

#### DRAFT

1. **Short title and commencement:-** (1) These Rules may be called Prevention to Cruelty to Animals (Establishment and Regulation of Societies for Prevention to Cruelty to Animals ) Rules, 2000

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. **Definitions:-** In these rules, unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960 ( 59 of 1960)

(b) "Animal Welfare Organisation" means a Welfare Organisation for animals which is registered under the Societies Registration Act of 1860 (21 of 1860) or any other corresponding law for the time being in force and recognised by the Board or the Central Government;

(c) "Board" means the Animal Welfare Board of India established under the Act;

(d) "Local Authority" means a municipal board or municipal committee, a State Animal Welfare Board, district board or any local animal welfare organisation authorised by any law for the control and administration of any matter relating to animals within a specified local area;

(e) "Society" means Society for Prevention of Cruelty to Animals ( hereinafter referred to as SPCA) established in any district under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860) or any other corresponding law applicable in a state and shall include the existing SPCA functioning in any district;

3. **Society for Prevention of Cruelty to animals in a district:-** (1) Every State Government shall, by notification in the Official Gazette., establish, as soon as may be and in any event within six months from the date of commencement of these rules , a society for every district in the state to be the SPCA in that district;

Provided that any society for prevention of cruelty to animals functioning in any district on the date of commencement of these rules shall continue to discharge its functions till establishment of the SPCA in that district under these rules.

(2) The Managing Committee of the Society shall be appointed by the State Government or the Local Authority of the district consisting of a Chairperson to be appointed by the State Government or the Local Authority of the district, as the case may be , with the concurrence of the

Board and shall consist of such number of other members as may be considered necessary by the State Government or the Local Authority of the district subject to the condition that -

- (i) at least two members shall be representatives of the Animal Welfare Organisations which are actively involved in the work of prevention of cruelty to animals and welfare of animals preferably from within the district; and
    - (ii) at least two members shall be the persons elected by the general body of members of the Society.
  - (3) The duties and powers of the Society shall be to aid the Government, the Board and Local Authority in enforcing the provisions of this Act and to make such bye-laws and guidelines as it may deem necessary for the efficient discharge of its duties.
  - (4) The Society, or any person authorized by it in this behalf, if it or he has reasonable grounds for believing that any person has committed an offence under the Act, it or such authorized person may require such person to produce forthwith any animal in his possession, control, custody or ownership, or any license, permit or any other document granted to such person or required to be kept by him under the provisions of the Act and may stop any vehicle or enter into any premises in order to conduct a search or inquiry and may seize an animal in respect of which it or such authorized person has reason to believe that an offence under the Act is being committed; and deal with it in accordance with law.
  - (5) In addition to the powers conferred by these rules, the State Government may, in consultation with the Board, confer such other powers upon any Society for exercising the powers and discharging the functions assigned to it under these rules.
- 4. Setting up of infirmaries and animal shelters:-** (1) Every State Government shall provide adequate land and other facilities to the Society for the purpose of constructing infirmaries and animal shelters.
- (2) Every infirmary and animal shelter shall have -
    - (i) a full time veterinary surgeon and other staff for the effective running and maintenance of such infirmary or animal shelter; and
    - (ii) an administrator who shall be appointed by the Society.
  - (3) Every Society shall, through its administrator or otherwise, supervise the overall functioning of the infirmaries and animal shelters under its control and jurisdiction.
  - (4) All cattle pounds and pinjrapoles owned and run by a Local Authority shall be managed by such Authority jointly with the Society or Animal Welfare Organisations.

**5. Regulation of SPCAs:-** (1) Every Society shall submit its annual report to the Board incorporating therein the activities undertaken by it for the welfare of animals and the steps or measures taken by it to implement various provisions of the Act and the rules made thereunder along with annual accounts duly audited by a chartered accountant or any other body authorised by law within a period of one month from the date of its accounts having been finalised by its managing committee

(2) Board shall examine such annual report and the annual accounts submitted by the Society and may give any directions to it for improvement of its functioning including the supercession of the managing committee of the Society with a view to give effect to the provisions of the Act and the rules made thereunder.

Provided that the Board shall give opportunity of personal hearing to the office bearers of the Society or any representative authorised by it before giving direction of its supercession and holding of fresh elections for electing a new managing committee as per bye-laws of the society.

(3) The Board shall give any direction to any Society in the interest of smooth and efficient functioning of the Society including the procedure for holding the election of the managing committee of the Society, utilisation of financial resources and management of assets of the Society with a view to give effect to the provisions of the Act and the rules made thereunder.

[F. No 19/1/2000-AWD]

DHARMENDRA DEO, Jt Secy.

